II Class Hindi First Language

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY 24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद,
तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

मुसकान-2

हिंदी पाठ्यपुस्तक

दूसरी कक्षा

Hindi Reader
Class II

FREE

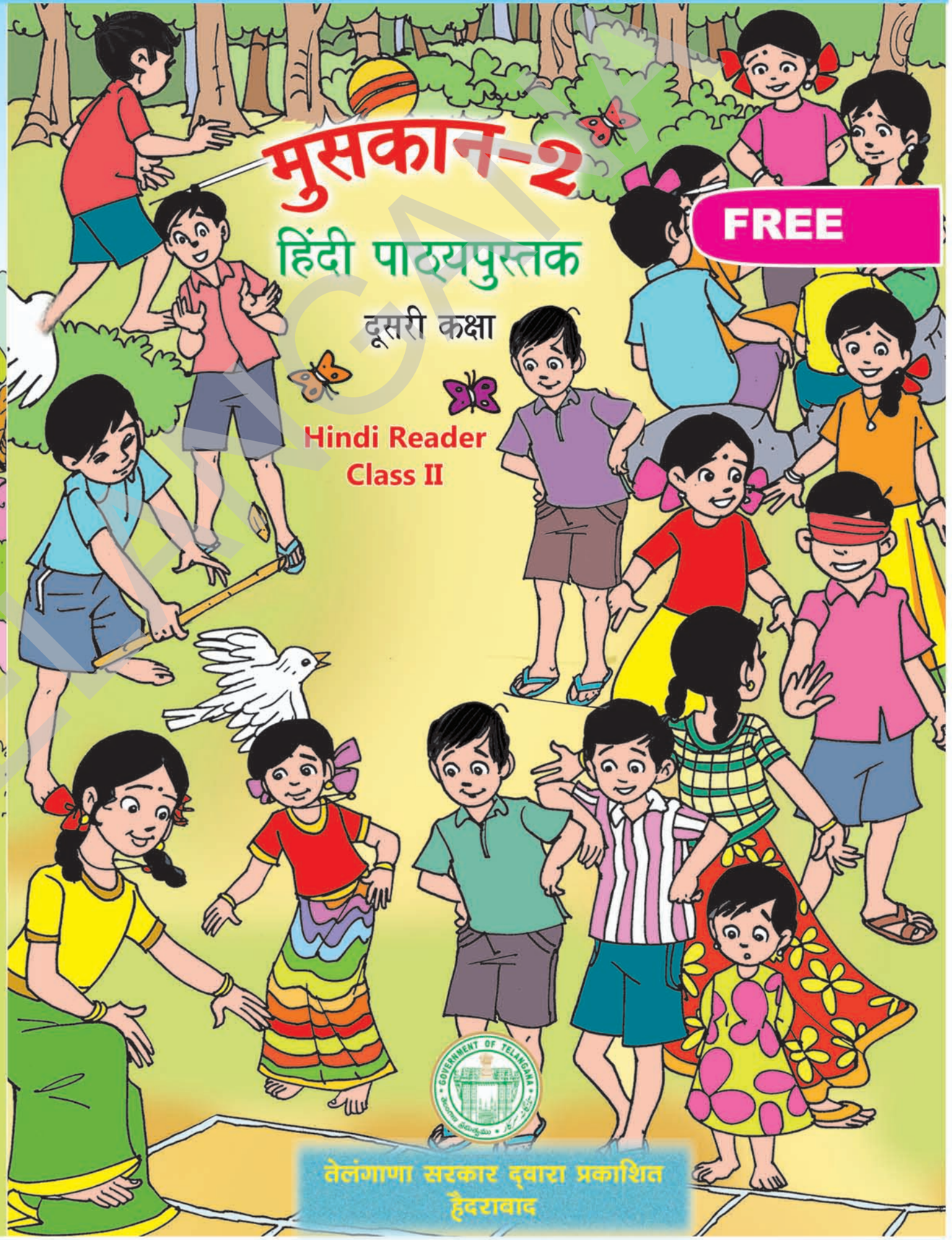

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT

नीचे दिये चित्र देखिए। कहानी बोलिए।

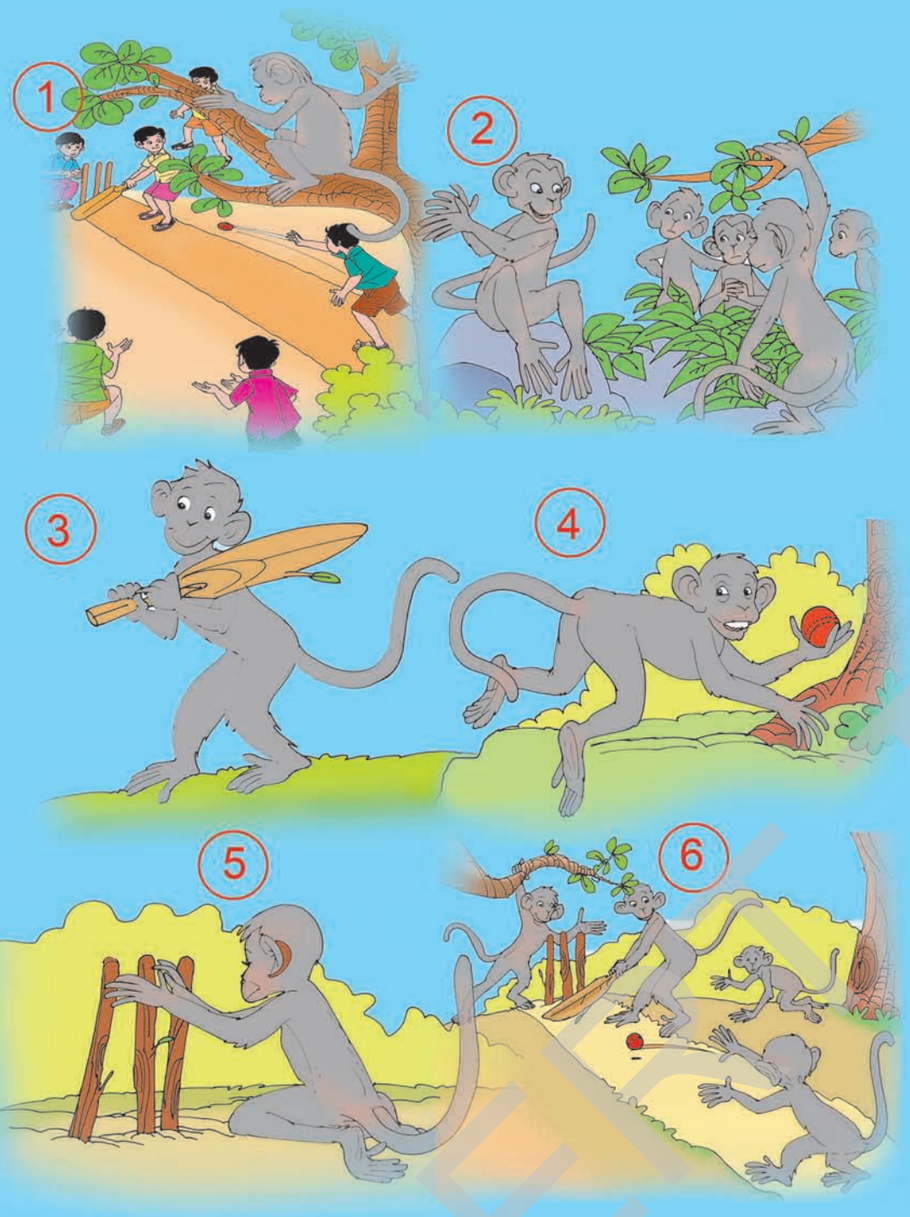

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके,

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मुसकान - 2

हिंदी पाठ्यपुस्तक

दूसरी कक्षा

Hindi Reader

Class II

संपादक

प्रो.टी.वी. कट्टीमनी

अध्यक्ष, हिंदी विभाग तथा डीन
समूह संवहन और पत्रकारिता विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ. पेरिसेट्टि श्रीनिवास

सहायक निदेशक
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
क्षेत्रीय कार्यालय, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद

समन्वयक

श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी

प्राध्यापिका, गवर्नमेंट आइ.ए.एस.ई., नेल्लूर

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी

प्रोफेसर, पाठ्यक्रम-पाठ्यपुस्तक विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार

हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो
विनय से रहो

कानून का आदर करो
अधिकार प्राप्त करो

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana State, Hyderabad.

First Published 2011

New Impressions - 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the sub-sequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T.S. Government 2020-21

Printed in India
at Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

दो बातें...

भाषाविदों ने अपने शोधों **द्वारा सिद्ध** किया है कि सभी बच्चों में भाषा सीखने की क्षमता जन्मजात होती है। अपने परिसर में अर्थपूर्ण संदर्भों में भाग लेने के **द्वारा** अपनी क्षमताओं का उपयोग करते हुए सभी बच्चे अत्यंत सहज ढंग और सरलता से भाषा को अपना बना रहे हैं। कोई भी भाषा अत्यंत जटिल नियम और तौर-तरीके युक्त होती है। पाठशाला आने से पूर्व ही बच्चे भाषा आसानी से ग्रहण कर संदर्भानुसार उपयोग करते हैं। हमें यह सोचना चाहिए कि पाठशाला में प्रवेश लेने से पहले ही भाषा-विनिमय में दक्षता रखने वाले बच्चे, पाठशाला में भर्ती होने के बाद भाषा-अधिगम में क्यों पिछड़ रहे हैं?

अपेक्षित ढंग से सभी बच्चे भाषा में विकास हासिल करें, इसके लिए अध्यापकों को अर्थपूर्ण संदर्भ प्रदान कर संदर्भोचित भाषा सीखने योग्य बनाना चाहिए। उसके साथ ही सभी बच्चों को भाग लेने के लिए भयमुक्त और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करना चाहिए।विभिन्न प्रकार के संदर्भ, भाषा व्यवहार रूप आधारित प्रक्रियाओं का आयोजन करना चाहिए।इसके लिए जरूरी अंशों को पाठ्यपुस्तकों में स्थान देना चाहिए।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-**2005**, आर.टी.ई.-**2009** ने भी इन बातों को प्रस्तावित किया है। इनके आधार पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की अगुवाई में **1, 2** कक्षाओं के नवीन हिंदी पुस्तकों को अभ्यास-पुस्तिकाओं के रूप में तैयार किया गया है। इन पुस्तकों को पद **पद्धति**, आकर्षणीय चित्रों आदि के **द्वारा** रुचि एवं विचारों को जागृत करने जैसे ढंग तथा अर्थपूर्ण क्रियाकलापों से तैयार किया गया है।हर पाठ एक संदर्भयुक्त चित्र से प्रारंभ होता है।इसका अनुसरण करते हुए एक अभिनय गीत/कहानी/गाना/संवाद होता है।बच्चे स्वतंत्र बात कर सके इसके लिए, शब्द-अक्षर पहचानकर पढ़ने और लिखने के लिए उपयुक्त अभ्यास हैं।गीत की पंक्तियों को बढ़ाना, चित्र बनाना, रंग भरना, भाषा खेल, शब्द भंडार विकास, सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए भी क्रियाकलाप हैं। इन्हें उचित सामग्री व योजनाबद्ध तरीके से आयोजित करना आवश्यक है। विविध पृष्ठभूमि के बच्चों को स्वतंत्र रूप से बात करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, हिंदी भाषा पर पकड़ बनाने का भी प्रयास करना है।

नवीन दिशा की ओर पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने के क्रम में यह पहला कदम है। पाठ्यपुस्तक उपयोग के बारे में अध्यापकों के लिए सूचनाएँ भी जोड़ी गयी हैं। इनका पालन करना चाहिए। सभी बच्चों को सुनने, सोचकर बात करने, धारा-प्रवाह से पढ़ने, अर्थ समझकर स्वयं के शब्दों में कहने, शब्द भंडार का संदर्भानुसार उपयोग करने, स्वरचना, सृजनात्मक अभिव्यक्ति करने जैसी भाषाई क्षमताओं को हासिल करने योग्य बनाना चाहिए। इसके लिए पाठ्यपुस्तक के साथ पाठशाला पुस्तकालय की पुस्तकें और अतिरिक्त पठन सामग्री का भी उपयोग करना चाहिए।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में शामिल अध्यापक, राज्य संसाधन समूह के सदस्य श्री सुवर्ण विनायक, मंडल संसाधक, रा.शै.अ.प्र.प. और आइ.ए.एस.ई. के प्राध्यापक, चित्रकार, संपादक वर्ग के प्रति हम कृतज्ञ हैं। उसी तरह इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में अपने अमूल्य सुझाव देने वाले राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, भाषाविद् डॉ.रमाकांत अग्निहोत्री, डॉ.हेच.के.दीवान, **विद्या** भवन सोसाइटी, उदयपुर और समय-समय पर सुझाव, सूचनाएँ देते हुए प्रोत्साहित करने वाले डॉ.मोहम्मद अली रफत, आइ.ए.एस., राज्य परियोजना निदेशक, राजीव **विद्या** मिशन को विशेष धन्यवाद ज्ञापन करते हैं।

श्रीमती शेषु कुमारी

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

दिनांक : 31 - 3 - 2011
स्थान : हैदराबाद

SCERT TELANGANA

लेखक गण

श्रीमती जयश्री लोहारेकर

एस.ए.,हिंदी,जी.एच.एस. काचीगुड़ा,
साईनगर,सईदाबाद,हैदराबाद

श्रीमती जी. किरण

एस.ए.,हिंदी,
जी.एच.एस. फॉर डेफ,मलकपेट,हैदराबाद

श्री नन्दकुमार वैजवाड़े

एस.ए.,हिंदी,
धर्मवंत हाई स्कूल,याकुतपुरा,हैदराबाद

श्रीमती कविता

एल.पी.,हिंदी,
जी.एच.एस. आज़मपुरा-2,हैदराबाद

डॉ. राजीव कुमार सिंह

एल.पी.,हिंदी,
सी.यू.पी.एस. याडारम,मेड्चल,हैदराबाद

श्री सुरेश कुमार मिश्रा

एल.पी.,हिंदी,
ज़ेड.पी.एच.एस. पसुमामुला,हयातनगर,रंगारेड्डी

चित्रांकन

कूरेल्ला श्रीनिवास

एस.ए.,तेलुगु,
ज़ेड.पी.एच.एस. पोचंपल्ली,नलगोंडा

बी. किशोर कुमार

एस.जी.टी.,
यू.पी.एस. अलवाला, अनुमल मंडल, नलगोंडा

पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

प्रधान आयोजन अधिकारी

श्रीमती शेषु कुमारी

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा राज्य

प्रधान व्यापार प्रबंधक

श्री आर. जेसुपादम

निदेशक
सरकारी पाठ्यपुस्तक मुद्रणालय
तेलंगाणा राज्य

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

हिंदी (HINDI FL)

कक्षा - दो (Class - II)

बच्चे--

- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे-जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।
- कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं।
- देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को/सुनायी जा रही सामग्री, जैसे-कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।
- भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे-एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने...।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।
- अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र, पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।
- चित्र में क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे- चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।
- प्रिंट(लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे - 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं?/'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं?
- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काँटे), अक्षर-आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवेंशनल राइटिंग) करते हैं।
- सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह-तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।
- भिति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

విద్య మా హక్కు
సర్వశిక్షా అభియాన్
పాఠశాల విద్యా శాఖ, తెలంగాణ ప్రభుత్వం
एन सी ई आर टी
NCERT

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

- हिंदी की पाठ्य-पुस्तकें इस रूप में बनायी गयी हैं कि जिनसे बच्चे सुनने,सोचकर बोलने,धाराप्रवाह से पढ़ने,समझकर अपने शब्दों में कहने,भाव ग्रहण करने,स्वरचना ,सृजनात्मक अभिव्यक्ति जैसी दक्षताओं को प्राप्त कर सकें।
- प्रत्येक पाठ चित्र से जुड़े संदर्भ,गीत,कहानी,संवाद आदि से प्रारंभ होता है।
- प्रत्येक पाठ में पाठ्यांश के बाद सुनने,बोलने,पढ़ने और लिखने जैसे कौशलों को बढ़ाने के लिए अभ्यास दिये गये हैं।
- प्रत्येक पाठ में पाठ के अंतर्गत सुनने,बोलने,पढ़ने,लिखने जैसे कौशलों के पास विशेष चित्र संकेत (Logo) हैं।
- पाठ प्रारंभ करने से पूर्व चित्र के आधार पर बच्चों से बातचीत करवानी चाहिए।विचारोत्तेजक प्रश्न पूछने चाहिए।
- उसके बाद पाठ पढ़ाना है।अध्यापकों को चाहिए कि गीत बताने से पहले उसे श्यामपट या चार्ट पर लिख लें,पढ़कर सुनायें।बच्चों से कहलवाएँ।अभिनय के साथ गाने का अभ्यास करायें।
- गीत/कहानी/गाना... आदि सिखाते वाले मुख्य शब्दों को पहचानने के लिए बच्चों को कहना चाहिए।इसके अक्षरों को साफ बोलने,पढ़ने,लिखने जैसे अभ्यास करवाने चाहिए।
- पाठ के मुख्य शब्द के अक्षरों को वर्णमाला/मात्राओं के चार्ट में पहचान कराना चाहिए।
- सुनना,बोलना जैसे क्रियाकलाप पूरी तरह से कक्षा क्रियाकिलाप की तरह आयोजित करना चाहिए।सभी बच्चों को स्वतंत्रता से बात करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- पढ़ना-लिखना अभ्यासों को समूह क्रियाकलाप के रूप में आयोजित करना चाहिए।
- इनमें सिखाने के लिए आवश्यक वर्णमाला,बारहखड़ी,मात्रा,शब्द भंडार की तालिकाएँ जैसी सामग्री पहले से ही तैयार रखनी चाहिए।इन्हें शिक्षण अभ्यसन प्रक्रिया में उपयोग में लाना चाहिए।
- पढ़ना-लिखना अभ्यासों से संबंधित सूचनाओं के बारे में बच्चों को समझाना चाहिए।देखना है कि उन्हें बच्चे व्यक्तिगत रूप में लिख सकें।
- हिंदी पाठ्य-पुस्तक के साथ अनिवार्य रूप से लिखने की कॉपी होनी चाहिए।प्रतिदिन बच्चों से शब्द लिखवाना चाहिए।श्रुतलेख देना चाहिए।
- पाठ्य-पुस्तक पद पद्धति में होने के कारण दृश्यों से जुड़े शब्दों के पाठ हैं।इसलिए वर्णमाला,बारहखड़ी या मात्राओं का क्रम से परिचय नहीं किया गया है।संदर्भानुसार अर्थपूर्ण प्रक्रिया द्वारा परिचय करवाया गया है।फिर भी अंत में इनके क्रम का परिचय कराया गया है।
- पाठ्य-पुस्तक द्वारा जहाँ तक हो सके वहाँ तक अधिक शब्दों का परिचय कराने के बजाय दैनिक जीवन में उपयोग में लाये जाने वाले शब्दों के आधार पर पढ़ने,लिखने के लिए अभ्यास दिये गये हैं।ज्ञात शब्दों से संबंधित अक्षरों से नवीन शब्द भंडार का निर्माण व उपयोग करने जैसे अभ्यास दिये गये हैं।
- इस रूप में पाठ्य-पुस्तकों की रचना की गयी है कि पहली कक्षा की समाप्ति तक बच्चे सरल शब्द,बारहखड़ी पढ़-लिख सकें तो,दूसरी कक्षा में इनकी पुनरावृत्ति, द्वित्वाक्षर,संयुक्ताक्षर शब्द पढ़-लिख सकें।इनकी लक्ष्यप्राप्ति के लिए योजनाबद्ध ढंग से शिक्षण अधिगम प्रक्रियाएँ आयोजित करनी चाहिए।
- पाठशालाओं को वितरित बाल साहित्य,कथा वाचक,कहानियों के कार्ड जैसी अतिरिक्त पठन सामग्री का उपयोग करना चाहिए।
- हिंदी भाषा शिक्षण के लिए निर्धारित 90 मिनट के समय में पाठ्यपुस्तक आधारित अभ्यास कार्यों का आयोजन होना है।पुस्तकालय में पुस्तक पठन के लिए निर्धारित कालांश में बाल साहित्य,अतिरिक्त पठन सामग्री का अनिवार्य रूप से उपयोग करना है।
- पाठशाला के शुरुआती दिनों से ही पाठ्यपुस्तक के साथ बाल साहित्य का उपयोग करना चाहिए।
- बच्चों के अधिगम को पाठ्यपुस्तक तक ही सीमित न करते हुए,जहाँ तक हो सके वहाँ तक, अधिक पठन सामग्री, शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग करते हुए भाषाई कौशलों को हासिल करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

बच्चो!

इन सूचनाओं को ध्यान से पढ़िए।

पाठ

पाठ को सुनना है। समझ में न आने पर पूछना है। मालूम करना है।

सुनो-बोलो

आपको स्वतंत्रता से अपनी भाषा में बोलना है।

पढ़ो

पढ़ना है। समझना है। बोलना या लिखना है।

लिखो

देखकर लिखना है या अपनी ओर से लिखना है।

पढ़ो-आनंद लो

चित्र देखना है। कहानी की कल्पना करनी है। कहानी पढ़नी है। कहानी बोलनी है।

सोचो

सोचकर बोलना है।

SCERT TELANGANA

विषय-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	सीखना है	महीना	पृष्ठ
1.	तितली और कली	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जून	1
2.	सच्ची दोस्ती	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जून	7
3.	ऊँट चला	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जुलाई	12
4.	भालू ने खेली फुटबॉल	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)		20
5.	सीखो	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जुलाई	30
6.	मैं भी	**द्वित्वाक्षर-संयुक्ताक्षर**		38
7.	घंटी कौन बाँधे	**द्वित्वाक्षर**		45
8.	कद्दूजी की बारात	**द्वित्वाक्षर-संयुक्ताक्षर**	अगस्त	52
9.	अंकों का व्यवहार	गिनती-**संयुक्ताक्षर**		58
10.	ग्वाला	**संयुक्ताक्षर** (पाईवाले अक्षर)	सितंबर	66
11.	उद्यान	**संयुक्ताक्षर** (बेपाईवाले अक्षर)		73
12.	रुक्की	**संयुक्ताक्षर** (क,फ)	अक्तूबर	80
13.	इंद्रधनुष	**संयुक्ताक्षर** (र)		88
14.	बिल्ली का हार	गिनती (**संयुक्ताक्षर**, **द्वित्वाक्षर**)	नवंबर	95
15.	बहादुर बच्चे रोते नहीं	**द्वित्वाक्षर** (पुनरावृत्ति)		102
16.	राष्ट्र धर्म	**संयुक्ताक्षर** ('र' पुनरावृत्ति)	दिसंबर	109
17.	पुल	संवाद पढ़ना-लिखना		114
18.	मैं कौन हूँ	**द्वित्वाक्षर-संयुक्ताक्षर** (पुनरावृत्ति)	जनवरी	122
19.	चूज़ा	चित्र कहानी बोलना-पढ़ना-लिखना		128
20.	असली मोती	सुवचन,पद्य पठन,भाव बताना	फरवरी	133
	पुनरावृत्ति		**फरवरी**	

SCERT TELANGANA

1. तितली और कली

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्हीं सुन्दर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली-गली।

कली छिटक कर खिली रंगीली
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगे भागने
तितली छूने उसे चली।

© TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) चित्र में क्या **दिखाई दे रहा** है?

(आ) गीत में कौन किससे बात कर रहा है?

(इ) कली कैसी है?

(ई) तितली ने कली से क्या कहा?

(उ) तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गयी?

(ऊ) खेल की बात सुनकर कली क्या करने लगी?

(ए) तितली कली के पास कब गयी होगी?

(ऐ) **आपने** समय का अंदाजा कैसे लगाया?

(ओ) यदि **आप** तितली होते तो कली से क्या कहते?

(औ) गीत **गाइए**। अभिनय **करिए**।

(अं) गीत की पंक्तियाँ आगे **बढ़ाइए**।

तितली रानी .....

बड़ी सयानी .....

..... तितली रानी

..... तितली रानी

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों को गीत में पहचानिए। रेखा खींचिए।

१. फैले सुंदर महक तुम्हारी।

२. नन्हीं सुंदर एक कली।

३. कली छिटक कर खिली रंगीली।

४. तितली छूने उसे चली।

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दी गयी वर्णमाला देखिए। अक्षर पढ़िए।

वर्णमाला के कौन-कौन से अक्षर पाठ में आये हैं? देखकर '◯' गोला लगाइए। शब्द पढ़िए।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	(ड़ ढ़)	
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ श्र

(इ) गीत में 'ल' अक्षर के नीचे रेखा खींचिए।

(ई) गीत में 'तुक' मिलाने वाले शब्दों के नीचे रेखा खींचिए।

उदा : कली - गली

(उ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। रेखा खींचे गये अक्षरों में अंतर समझकर पढ़िए।

१. दाल - डाल
२. बोली - भोली
३. सात - साथ
४. चल - छल
५. चिटकना - छिटकना

SCERT TELANGANA

(ऊ) नीचे दिये गये चित्रों के नाम **लिखिए**। उन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक वाक्य **बोलिए**।

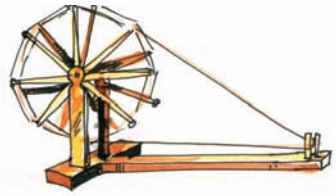

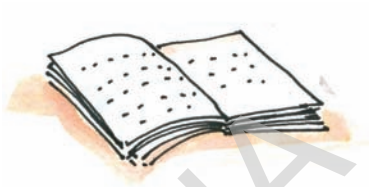

....

....

(ए) **चूहे की पूँछ का खेल :**

नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। इन्हें वर्णमाला के क्रमानुसार चूहे की पूँछ से मिलाइए।

कलम	सड़क	छत	मटर
घर	फल	थन	लहर
खत	जग	बरतन	चरण

(ऐ) **नीचे दिये गये शब्दों का सही रूप लिखिए।**

१. लीतति -

२. हकाम -

३. गनेभा -

४. कटछि -

५. दरसुं -

SCERT TELANGANA

(ओ) चित्र के नाम डिब्बे में **लिखिए।**

लिखो

(अ) वर्णमाला के अक्षर पाठ में पहचानकर नीचे बक्से में **लिखिए।** शब्द **लिखिए।**

दो अक्षरवाले शब्द	तीन अक्षरवाले शब्द	चार अक्षरवाले शब्द
.....	.....	.....
.....	.....	.....

(आ) नीचे दिये गये वाक्य **पढ़िए।** चित्र के बदले नाम **लिखिए।**

१. एक सुंदर थी।

एक सुंदर ..... थी।

२. रंग-बिरंगी है।

..... रंग-बिरंगी है।

SCERT TELANGANA

(इ) 'सड़क पर मत टहल' वाक्य में आये अक्षरों से नये शब्द बनाकर लिखिए।

....

....

(ई) नीचे दिये गये अक्षरों से शब्द बनाकर लिखिए।

क आ म न च

....

....

(उ) कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

१. ..... डाल पर लगी हुई थी नन्हीं सुंदर एक कली। (नीली, भूरी, हरी)

२. अब जागो तुम ..... खोलो। (आँखें, नाक, कान)

३. कली ..... खिली रंगीली। (मटककर, लटककर, छिटककर)

४. तितली छूने ..... चली। (उसे, इसे, मुझे)

(ऊ) तितली का चित्र बनाइए। रंग भरिए। तितली के बारे में तीन वाक्य लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

2. सच्ची दोस्ती

जंगल में एक पीपल का पेड़ था। उस पेड़ पर एक कबूतर रहता था। पेड़ नदी के किनारे था। एक दिन कबूतर पेड़ पर बैठा था। उसने चींटी को नदी में बहते देखा। उसे चींटी पर दया आयी।

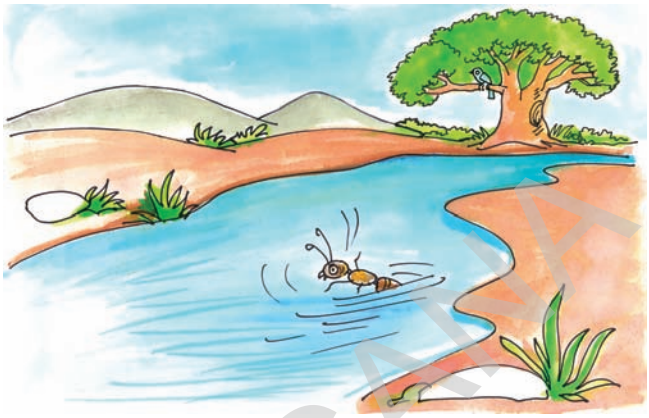

उसने पानी में सूखा पत्ता डाला।

चींटी उस पत्ते पर चढ़ गयी। उसकी जान बच गयी। चींटी ने कबूतर को धन्यवाद दिया। वे दोनों दोस्त बन गये।

एक दिन जंगल में एक शिकारी आया। उसने कबूतर पर निशाना लगाया। तभी चींटी ने उसे देख लिया। उसने शिकारी के पैर पर जोर से काटा। शिकारी का निशाना चूक गया। कबूतर की जान बच गयी।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) कबूतर किस पेड़ पर रहता था?

(आ) पीपल का पेड़ कहाँ था?

(इ) नदी में कौन बह रहा था?

(ई) किसे चींटी पर दया आयी?

(उ) कबूतर ने पानी में क्या डाला?

(ऊ) किसकी जान बच गयी?

(ए) कौन-कौन दोस्त बन गये?

(ऐ) एक दिन जंगल में कौन आया?

(ओ) उसने किस पर निशाना लगाया?

(औ) चींटी ने क्या किया?

(अं) कहानी के अंत में किसकी जान बची?

(अः) क्या **आपने** कभी किसी की सहायता की है? **बताइए।**

(क) कहानी आगे **बढ़ाइए।**

कबूतर की जान बच गयी। .....

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दी गयी वर्णमाला देखिए। अक्षर पढ़िए। वर्णमाला के कौन-कौन से अक्षर पाठ में आये हैं? देखकर '◯' लगाइए । शब्द पढ़िए।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	(ड़ ढ़)	
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह	**क्ष त्र ज्ञ श्र**		

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। रेखांकित अक्षरों के बीच का अंतर समझते हुए पढ़िए।

क<u>ल</u>	-	क<u>ाल</u>	न<u>र</u>	-	न<u>ार</u>
ज<u>ल</u>	-	ज<u>ाल</u>	झ<u>ड़</u>	-	झ<u>ाड़</u>
ट<u>ल</u>	-	ट<u>ाल</u>	प<u>र</u>	-	प<u>ार</u>
त<u>ल</u>	-	त<u>ाल</u>	कि<u>ला</u>	-	क<u>ीला</u>
ब<u>ल</u>	-	ब<u>ाल</u>	क<u>ुल</u>	-	क<u>ूल</u>

(इ) नीचे दिये गये शब्दों में रेखांकित अक्षरों को सुधारते हुए पढ़िए। लिखिए।

उदा : लढ़<u>ु</u>का - लड़<u>ु</u>का

जंघ<u>ल</u>	-	.....	ध<u>या</u>	-	.....
स<u>ूका</u>	-	.....	शि<u>खा</u>री	-	.....
चड़<u>ु</u>	-	.....	न<u>धी</u>	-	.....
पेढ़<u>ु</u>	-	.....	<u>छीं</u>टी	-	.....

(ई) नीचे दिये गये शब्दों को पाठ में पहचानिए। रेखा खींचिए।

पेड़	तालाब	बंदर	जामुन	पीपल	पत्ता
दिन	आकाश	दया	दोस्त	चूक	जान

(उ) बंदर की पूँछ का खेल :

नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। उन्हें वर्णमाला के क्रमानुसार बंदर की पूँछ से मिलाइए।

जंगल	पीपल	कबूतर	नदी	बैठा
चींटी	सूखा	दया	धन्यवाद	शिकारी
उड़	पैर	एक	निशाना	चूक

SCERT TELANGANA

(ऊ) पाठ में 'कबूतर' और 'चींटी' इन शब्दों पर 'O' गोला **लगाइए।**

(ए) नीचे दिये गये अक्षर मिलाकर **पढ़िए।**

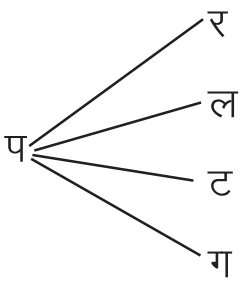

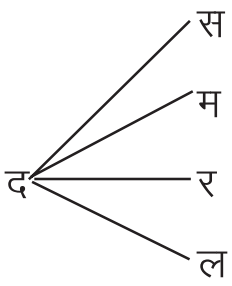

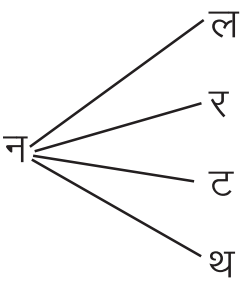

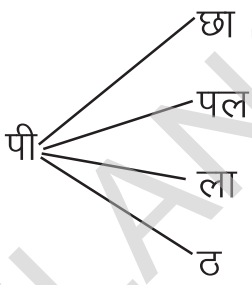

लिखो

(अ) वर्णमाला के अक्षर पाठ में पहचानकर नीचे बक्से में **लिखिए।** उनसे दो, तीन, चार अक्षरवाले शब्द **बनाइए और लिखिए।**

दो अक्षरवाले शब्द	तीन अक्षरवाले शब्द	चार अक्षरवाले शब्द
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

(आ) नीचे दिये गये वाक्य **पढ़िए।** चित्र के बदले नाम **लिखिए।**

१. एक का पेड़ था।

एक ..... का पेड़ था।

SCERT TELANGANA

२. पेड़ के किनारे था।

पेड़ ..... के किनारे था।

३. पेड़ पर बैठा था।

..... पेड़ पर बैठा था।

४. पत्ते पर चढ़ गयी।

..... पत्ते पर चढ़ गयी।

(इ) 'समय पर भोजन करो' वाक्य में आये अक्षरों से नये शब्द बनाकर लिखिए।

....

....

....

(ई) नीचे दिये गये अक्षरों से शब्द बनाकर लिखिए।

प	द	श	ज	र
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

(उ) नीचे दी गयी वर्ग-पहेली के अक्षर पढ़िए। उनसे शब्द लिखिए।

सा	शि	रा	नि	चीं
गु	का	क	शा	टी
य	री	बू	ना	का
पे	र	त	न	दी
ड़	पै	र	ण	गा

उदा - शिकारी

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

3. ऊँट चला

ऊँट चला, भई ऊँट चला
हिलता डुलता ऊँट चला।

इतना ऊँचा ऊँट चला
ऊँट चला, भई ऊँट चला।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ
पीठ उठाये ऊँट चला।

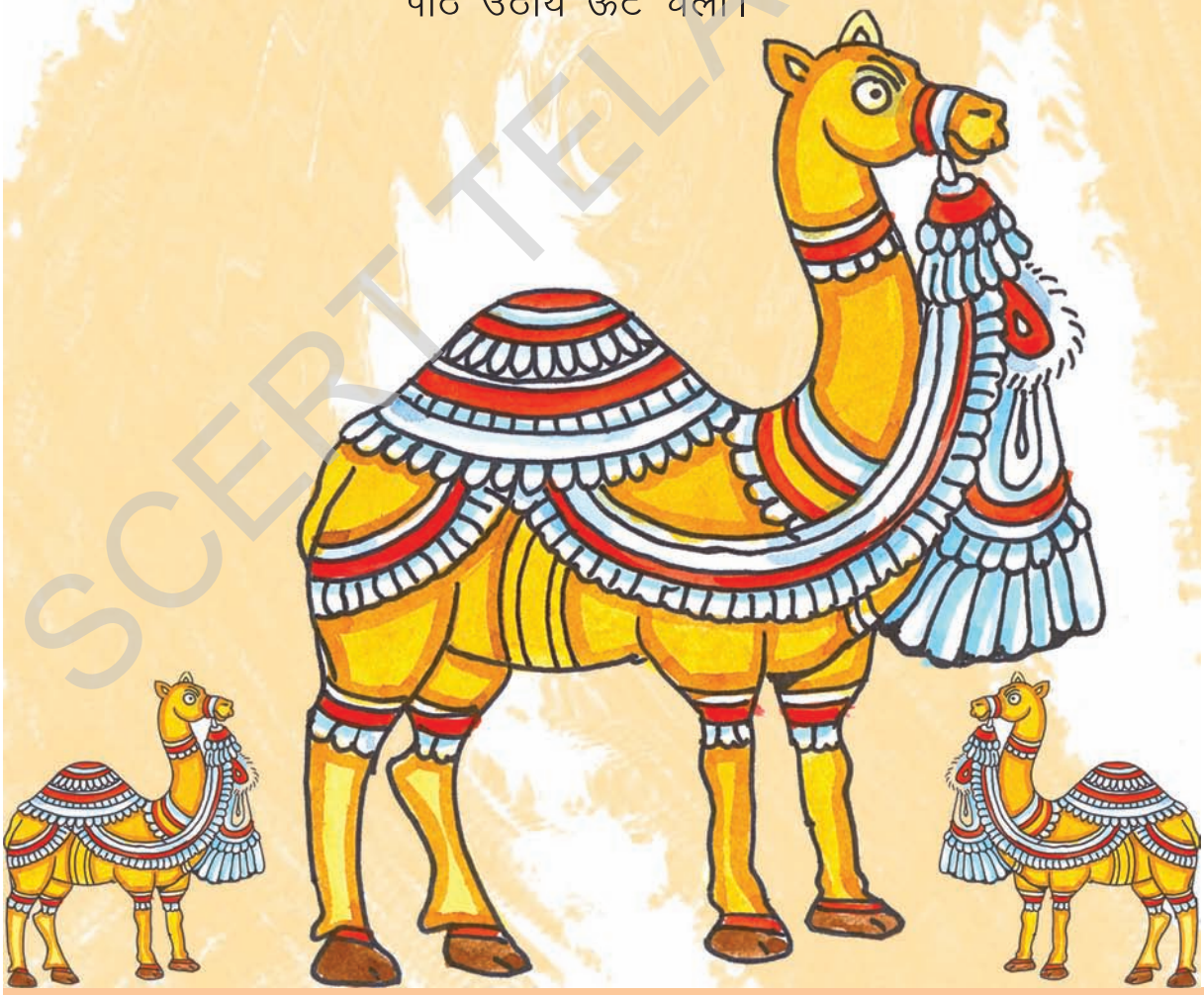

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

बालू है, तो होने दो
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला
ऊँट चला, भई ऊँट चला।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) गीत में कौन से जानवर के बारे में बताया गया है?

(आ) गीत में ऊँट कितनी बार आया है?

(इ) ऊँट कैसे चलता है?

(ई) ऊँट की गर्दन कैसी होती है?

(उ) ऊँट क्या ढोता है?

(ऊ) ऊँट कहाँ नहीं फँसता?

(ए) ऊँट थक कर किस करवट बैठेगा?

(ऐ) **आपने** कभी ऊँट की सवारी की है? यदि हाँ, तो **बताइए आपको** कैसा लगा?

(ओ) **गीत गाइए । अभिनय कीजिए**

(औ) गीत की पंक्तियाँ आगे **कीजिए।**

बारिश है .....

चलते ऊँट को .....

इतना लंबा .....

ऊँट चला .....

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये वाक्य गीत में पहचानिए। रेखा खींचिए।

ऊँची गर्दन	बालू है
इतना ऊँचा	बता सकेगा
हिलता डुलता	ऊँची पीठ
बोझ ऊँट का	पीठ उठाये

SCERT TELANGANA

(**आ**) नीचे दी गयी वर्णमाला **देखिए**। अक्षर **पढ़िए**।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	ग	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	(ड़ ढ़)	
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह	क्ष त्र ज्ञ श्र		

वर्णमाला के कौन-कौन से अक्षर पाठ में आये हैं? देखकर 'O' लगाइए।

शब्द पढ़िए।

(इ) नीचे दिये अक्षरों के बीच अंतर को पहचानकर पढ़िए। उनमें दो, तीन, चार अक्षर वाले शब्द बनाकर पढ़िए।

क	का
च	चा
ट	टा
त	ता
प	पा
ग	गा
ल	ला
ड़	ड़ा
ह	हा

ख	खा
ठ	ठा
थ	था
न	ना
भ	भा
र	रा

गि	गी
जि	जी
डि	डी
दि	दी
फि	फी

ति	ती
यि	यी
रि	री
बि	बी
शि	शी
हि	ही
लि	ली
सि	सी
धि	धी

उदा : खत तितली

कड़ा गिनती

पता गिलहरी

SCERT TELANGANA

(ई) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। रेखा खींचे हुए अक्षरों के बीच का अंतर **पहचानिए**।

कल	-	काल	मन	-	मान
तन	-	तान	चर	-	चार
चल	-	चाल	बता	-	बात

(उ) नीचे दिये गये शब्दों में रेखांकित अक्षर को सुधारते हुए **पढ़िए**।

मलीइ	-	इमली	जरसू	-	....
रखाच	-	....	तालहि	-	....
गदरब	-	....	कड़स	-	....
बतरश	-	....	रीतछ	-	....
षधऔ	-	....	याड़िचि	-	....
तालडु	-	....	बलागु	-	....

(ऊ) ऊँट के बारे में कहे गये शब्दों पर '◯' **लगाइए**।

हिलता	जाता	आया	बैठता
डुलता	ऊँचा	छोटा	लम्बा
नाटा	थककर	गया	बोलता

SCERT TELANGANA

(ए) अक्षरों को मिलाकर **पढ़िए**। शब्द **लिखिए**।

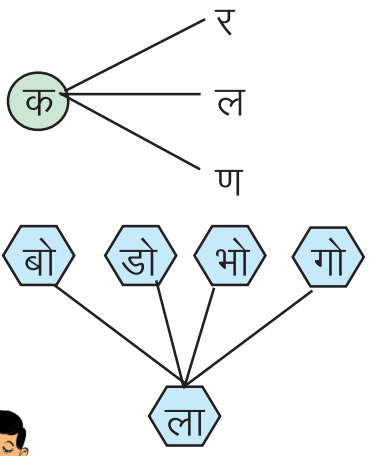

१. .....
२. .....
३. .....

१. .....
२. .....
३. .....
४. .....

लिखो

(अ) नीचे दी गयी तालिका में अक्षरों को ा, ि, ी, ु मात्राएँ जोड़कर **लिखिए**।

(आ) शब्द **बनाइए**।

क	.....	घ	.....	ब	.....
भ	.....	ख	.....	श	.....
स	.....	न	.....	ए	.....
आ	.....	ध	.....	च	.....
ऐ	.....	इ	.....	र	.....

SCERT TELANGANA

छ ..... म ..... च .....

ऋ ..... ज ..... द .....

(इ) चित्र के बदले नाम लिखकर वाक्य पुनः लिखिए।

१. ऊँचा होता है।

.....

२. मुझे का फल चाहिए।

.....

३. काली होती है।

.....

४. यह राम की है।

.....

(ई) ा, ि, ी, ु मात्राओं से बनने वाले स्थानों के नाम लिखिए।

....

....

....

(उ) नीचे वर्ग पहेली के अक्षर पढ़िए। उसमें से शब्द बनाइए।

क	र	न	सू	भा	आ
ल	ऊँ	चा	र	बा	लू
म	ट	र	ज	आ	म
भ	छ	त	री	ठ	बा
ति	त	ली	प	ठे	ला
च	र	खा	ल	रा	स

उदा :कर

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

(ऊ) **उच्चारण पर ध्यान दीजिए।**

ऊँट	ऊँचा	चाँद	माँ	बाँध
घूँट	आँख	माँग	पूँछ	टाँग
बूँद	मूँग	गाँव	हँस	

लिखो

.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....		

(ए) **चित्र देखकर तीन वाक्य बनाइए। चित्र बनाइए।**

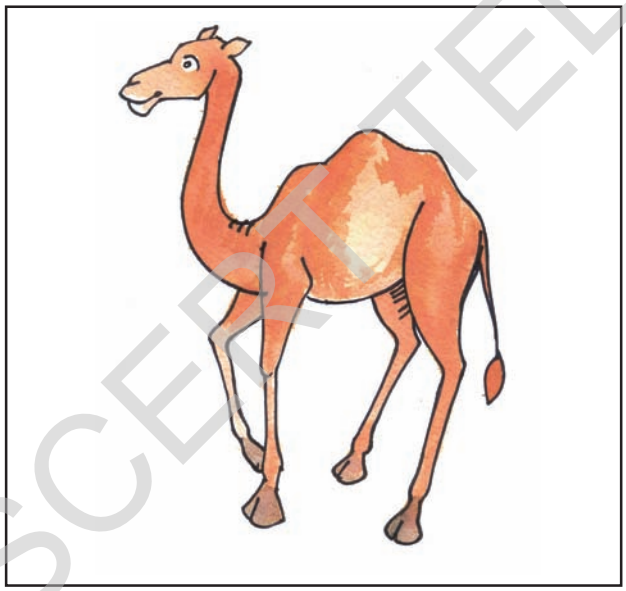

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

4. भालू ने खेली फुटबॉल

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक बाघ का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आये थे, लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आँखें फैलायीं, अक्ल दौड़ायी- अहा फुटबॉल! सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाये।

© SCERT TELANGANA

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया बाघ के बच्चे को। हड़बड़ी में बाघ का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की डाल पकड़ ली।

मगर डाल छूट गयी। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गये। पछताये, लेकिन अगले ही पल दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाये और बाघ के बच्चे को लपक लिया।

SCERT TELANGANA

अरे यह क्या? बाघ का बच्चा फिर से

उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला!

दो बार...

तीन बार...

फिर

बार-बार यही होने लगा।

बाघ के बच्चे को उछलने में मज़ा आ रहा था।

परंतु भालू थककर परेशान हो गया था। ओह,

किस आफ़त में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते

ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगायी, और गायब

हो गया।

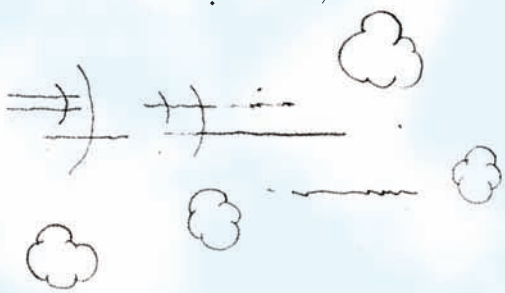

SCERT TELANGANA

अब की बार बाघ का बच्चा धड़ाम से ज़मींन पर आ गया। डाल भी टूट गयी।

तभी माली वहाँ आया और बाघ के बच्चे पर बरस पड़ा-

डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।

बाघ के बच्चे ने कहा- ''ज़रा ठीक तो हो लूँ।''

माली ने कहा- ''ठीक है। मैं अभी आता हूँ।

माली के वहाँ से जाते ही बाघ का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो गया।

उसने सोचा- जान बची, तो लाखों पाये।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) पाठ में किन दो जानवरों के बारे में बताया गया है?

(आ) फ़ुटबॉल को फ़ुटबॉल क्यों कहते होंगे?

(इ) ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें बॉल का इस्तेमाल करते हैं?

(ई) बाघ का बच्चा कैसे सोया था?

(उ) भालू की नज़र किस पर पड़ी?

(ऊ) बाघ के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी?

(ऋ) ''ओह! किस आफ़त में आ फँसा?'' भालू ने ऐसा क्यों कहा?

(ए) भालू बाघ के बच्चे को न पकड़ता तो क्या होता?

(ऐ) **यदि** बाघ **का बच्चा** घर जाकर अपने माता-पिता को कहानी **सुनाता तो क्या-क्या बताता?**

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। जो शब्द पाठ में आये हैं, उन्हें पहचानकर '◯' लगाइए।

सुबह	आलू	कोहरा	जाम	भालू	रात
गायब	जामुन	गुलाब	पेड़	फल	उछाल
कान	डाल	बाघ	गगन	बच्चा	बंदर
आफ़त	ऐनक	माली	जान		

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों को पाठ में पहचानिए । रेखा खींचिए।

१. बाघ का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

२. आँखें फैलायीं, अक्ल दौड़ायी- अहा फ़ुटबॉल।

SCERT TELANGANA

३. पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

४. एक बार फिर भालू दादा ने उछाला।

५. जान बची तो लाखों पाये।

(इ) नीचे दिये गये चित्रों के नाम लिखिए। उन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बोलिए।

________ ________ ________

________ ________

________ ________ ________

(ई) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। रेखा खींचे गये अक्षरों में अंतर समझकर पढ़िए।

बालू - भालू दूध - धूल

बाग - बाघ हात - हाथ

गोल - घोल

SCERT TELANGANA

(उ) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। वर्णमाला के क्रमानुसार उन्हें **मिलाइए**।

सुबह	भालू	जामुन	गायब	ठीक
डाल	आम	धड़ाम	हासिल	बाघ
बरसना	माली	लपक	पेड़	कोहरा

(ऊ) मिलते-जुलते जोड़े **बनाइए**।

नीचे	डाल
आव	टूट
दाल	दर
छूट	पीछे
पल	ताव
घर	बल

(ए) नीचे दिये गये अक्षरों को सही करके **लिखिए**।

जानमु	.....	मलामा	.....
कपल	.....	बयगा	.....
मसमौ	.....	सरब	.....
लाछाउ	.....	हाड़ाद	.....

(ऐ) डिब्बे में दिये गये अक्षरों से शब्द **बनाइए**।

१.

क	र
ल	ह

१. कर २. कल
३. रह ४. लह

२.

त	ट
न	ल

१. ..... २. .....
३. ..... ४. .....

SCERT TELANGANA

३.

क	ल	म
म	ट	क
ल	क	ड़ी

१. ..... २. .....

३. ..... ४. .....

५. ..... ६. .....

लिखो

(अ) पाठ में से वर्णमाला के अक्षर पहचानकर तालिका में लिखिए। शब्द लिखिए।

दो अक्षरवाले	तीन अक्षरवाले	चार अक्षरवाले
उदा - बाघ	जामुन	फ़ुटबॉल
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये वाक्य **पढ़िए** । चित्र के बदले नाम **लिखिए**। वाक्य पुनः **लिखिए**।

उदा - साहब सैर पर निकल तो आये थे।

भालू साहब सैर पर निकल तो आये थे।

१. फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

.....

२. एक बार फिर ने उछाला।

.....

३. टूट गयी।

.....

४. तभी वहाँ आया।

.....

(इ) नीचे दी गयी वर्ग पहेली में जानवरों के नाम छिपे हैं। उन्हें **लिखिए**।

हा	ना	र	म	न	ख
थी	क	भा	लू	शे	र
ची	स	ल	च	प	गो
ता	क	छु	आ	ह	श
ऊँ	ग	ज	य	भ	झ
ट	बा	घ	हि	र	न

उदा - हाथी

१. ..... २. .....

३. ..... ४. .....

५. ..... ६. .....

७. ..... ८. .....

SCERT TELANGANA

(ई) तालिका में दिये गये अक्षरों से बने शब्द **देखिए**। तुम भी इसी तरह शब्द **बनाइए**। उन्हें **लिखिए** ।

उदा -

क	ल	म
कमल	लड़का	मछली

ब	र	ग	द

(उ) अपना मनपसंद चित्र **बनाइए**। उसके बारे में तीन वाक्य **लिखिए** ।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

5.सीखो

फूलों से नित हँसना सीखो,

भौरों से नित गाना।

तरु की झुकी डालियों से,

नित सीखो शीश झुकाना।

सीखो हवा के झोंकों से,

कोमल भाव बहाना।

सूरज की किरणों से सीखो,

जगना और जगाना।

लता और पेड़ों से सीखो,

आपस में मिल जाना।

मछली से सीखो स्वदेश के लिए,

तड़प कर मर जाना।

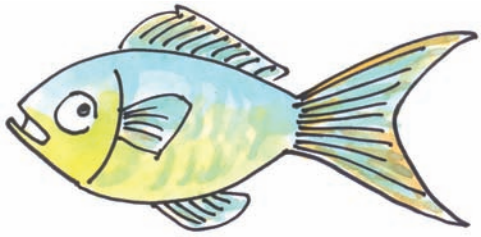

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) पहले चित्र में क्या बताया गया है?

(आ) सूरज की किरणें हमें क्या सिखाती हैं?

(इ) शीश झुकाना हम किससे सीखते हैं?

(ई) पाँचवे चित्र से हम क्या सीख सकते हैं?

(उ) मछली का स्वदेश कौन-सा है?

(ऊ) इस कविता की कौन-सी पंक्ति तुम्हें सबसे अच्छी लगी?

(ए) कविता **गाइए**। अभिनय **करिए**।

(ऐ) कविता को आगे **बढ़ाइए**।

दीपक की ज्योति से ....

....

मदर तेरेसा से ....

....

बापू से ....

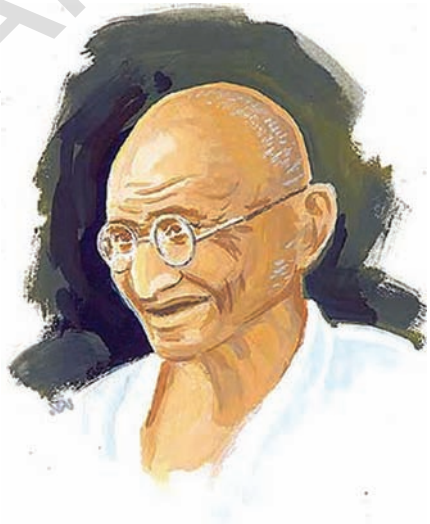

....

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। गलत शब्द को '◯' लगाइए।

मछली	फूल	सवदेश	आपस
कोमोल	भाव	शीश	तपड़

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में रेखा खींचे गये अक्षर को 'आ' (ा) की मात्रा लगाकर पढ़िए। लिखिए।

ग् ना	- गाना	भ् व	- .....
क् म	-	अ् न	- .....
ज् न	-	ज् ग	- .....
य् द	-	प् स	- .....
म् न	-	भ् ग	- .....

(इ) नीचे दिये गये अक्षर मिलाकर पढ़िए। लिखिए।

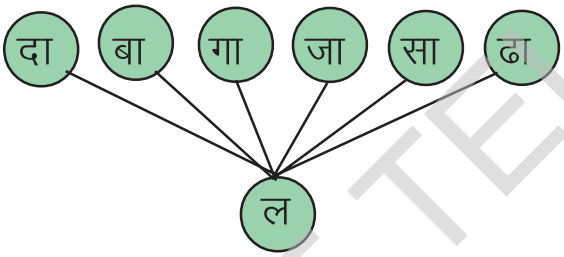

१. .....
२. .....
३. .....
४. .....
५. .....
६. .....

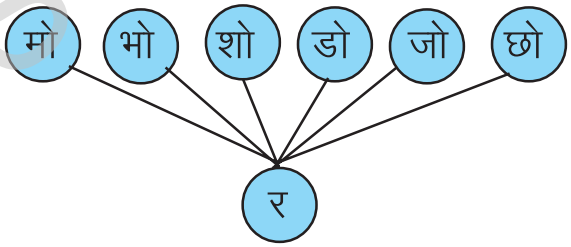

१. .....
२. .....
३. .....
४. .....
५. .....
६. .....

SCERT TELANGANA

(ई) नीचे दिये गये चित्रों के नाम **लिखिए।** इन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य **बोलिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(उ) कविता में आये वाक्य के अंतिम शब्द **पहचानिए। पढ़िए। लिखिए।**

उदा -

नित गाना	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

SCERT TELANGANA

(ऊ) नीचे दिये गये अक्षरों के अंतर **पहचानिए। पढ़िए।**

ु	ू
कु	कू
चु	चू
टु	टू
तु	तू
पु	पू
यु	यू
सु	सू
मु	मू

े	ै
खे	खै
गे	गै
घे	घै
थे	थै
दे	दै
धे	धै
रे	रै
ने	नै

ो	ौ
को	कौ
जो	जौ
डो	डौ
फो	फौ
बो	बौ
वो	वौ
नो	नौ
सो	सौ

(ए) नीचे दिये शब्दों को पढ़िए।

कुल -	कूल	पेड़ -	पैसा	खोल -	कौन
जामुन -	भालू	शेर -	गैर	गोल -	दौड़
सुबह -	सूरज	सेब -	सैर	सोच -	सौ
गुलाब -	मालूम	बेर -	बैर	कोश -	कौर
बुलबुल -	आलू	देर -	पैर	ओर -	और

(ऐ) नीचे दिये गये रेखांकित अक्षरों को सही करके **पढ़िए । लिखिए।**

सीको ..... केल .....

जुकी ..... अबी .....

गर ..... टीक .....

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) नीचे दी गई तालिका के अक्षरों में मात्राएँ जोड़कर **लिखिए।**

	क	ख	ग	घ	च	त	थ	द	ध	न	म
◌ु											
◌ू											
◌ृ											
◌े											
◌ै											
◌ो											
◌ौ											

(आ) ◌ा, ◌ि, ◌ी, ◌ु , ◌ू मात्रावाले शब्द **लिखिए।**

गाना	नित	डाली	झुकना	सूरज
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

(इ) चित्र देखकर उनके बारे में एक-एक वाक्य **लिखिए।**

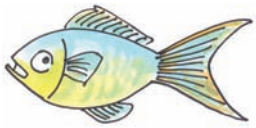

१. .....

२. .....

SCERT TELANGANA

३. .....

४. .....

(ई) इसके आधार पर वाक्य **लिखिए।**

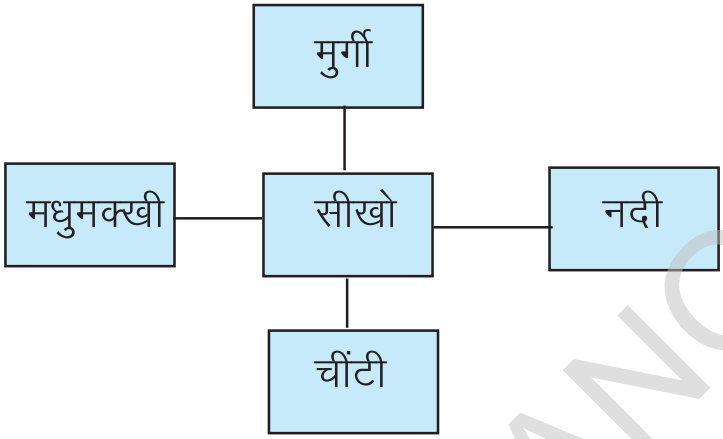

उदा : चींटी से मिलजुलकर काम करना सीखो।

१. .....

२. .....

३. .....

(उ) चित्र **बनाइए। रंग भरिए। उनके बारे में लिखिए।**

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

गोरैया-पतंग

पढ़ो-आनंद करो

गोरैया के बच्चे ने पतंग के लिए जिद की।

माँ प्याज से पूछकर उसका छिलका लायी।

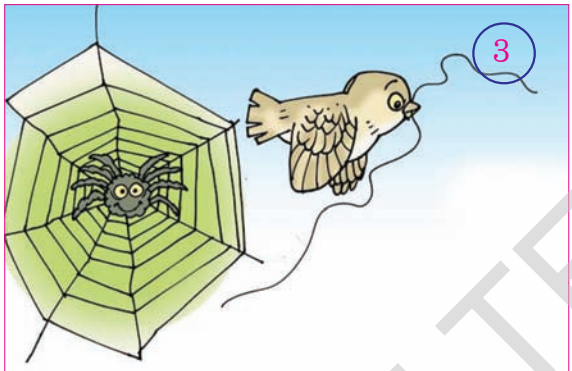

मकड़ी से पूछकर धागा लायी।

बबूल के पेड़ से पूछकर गोंद लायी।

नारियल के पेड़ से पूछकर सींकें लायी।

गोरैया के बच्चे ने खुशी से पतंग उड़ायी।

SCERT TELANGANA

6. मैं भी...

एक अंडे में से बत्तख का बच्चा निकला।
लो, मैं अंडे में से निकल आया,
बत्तख का बच्चा बोला।

एक और अंडे में से मुर्गी का चूज़ा
निकला। मैं भी आ गया -
चूज़ा बोला।

मैं घूमने जा रहा हूँ -
बत्तख का बच्चा बोला।
मैं भी चलूँगा - चूज़ा बोला।

मैं गड्ढा खोद रहा हूँ-
बत्तख का बच्चा बोला।
मैं भी खोदूँगा-
चूज़ा बोला।

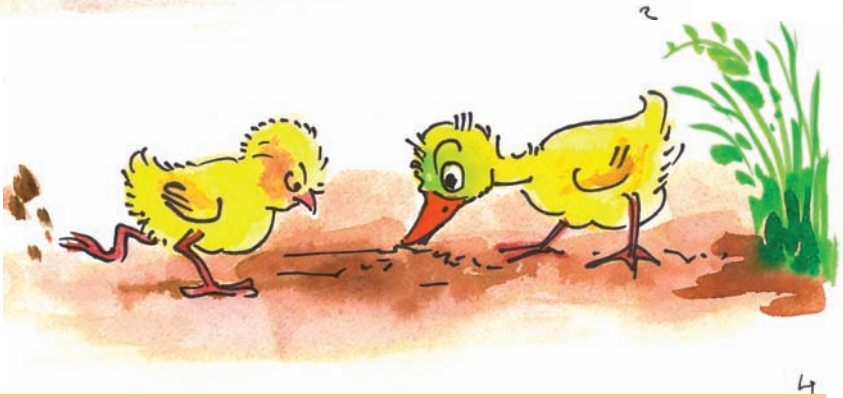

SCERT TELANGANA

मुझे एक केंचुआ मिला - बत्तख का बच्चा बोला।

मुझे भी - चूज़ा बोला।

मैंने एक तितली पकड़ी- बत्तख का बच्चा बोला।

मैंने भी तितली पकड़ी- चूज़ा बोला।

मैं तैरना चाहता हूँ- बत्तख का बच्चा बोला।

मैं भी - चूज़ा बोला।

देखो मैं तैर रहा हूँ- बत्तख का बच्चा बोला।

SCERT TELANGANA

मैं भी तैरूँगा-

चूज़ा बोला।

बचाओ.... चूज़ा डूबते हुए चिल्लाया।

बत्तख के बच्चे ने चूज़े को पानी से बाहर निकाला।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) चित्र 1 में अंडे से किसका बच्चा निकला?

(आ) चित्र 2 में अंडे से किसका बच्चा निकला?

(इ) चित्र 3 में दोनों कहाँ जा रहे हैं?

(ई) चित्र 5 में उन्हें क्या मिला?

(उ) चूज़े को किसने बचाया?

(ऊ) आगे क्या हुआ होगा?

(ए) चूजा बार-बार बत्तख के बच्चे की नकल करता रहता था.....

कहानी आगे बढ़ाओ और सुनाओ।

बत्तख का बच्चा बोला - .....

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। पाठ में आये शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

बत्तख	कमल	बच्चा	पेड़	अंडा	चूज़ा
हाथी	मुर्गी	चरण	गड्ढा	राजा	तोता

(आ) पाठ में आये द्वित्वाक्षर वाले शब्द पढ़िए। रेखा खींचिए।

(इ) १. अक्षर मिलाकर पढ़िए।

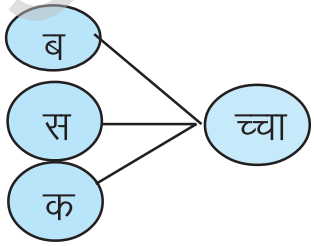

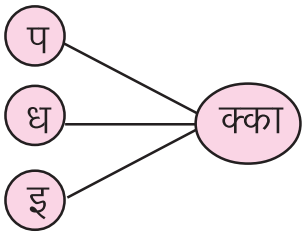

SCERT TELANGANA

(२) पढ़ो।

च् + च = च्च, त् + त = त्त

क् + क = क्क प् + प = प्प

(ई) जल्दी-जल्दी **पढ़िए।**

बच्चा	सच्चा	कच्चा	पक्का	धक्का
इक्का	कुत्ता	बत्तख	अंडा	मुर्गी

(उ) नीचे दिये गये शब्दों से खाली जगह **भरिए।**

अंडे चूज़ा चिल्लाया तितली केंचुआ

(१) एक ..... में से बत्तख का बच्चा निकला।

(२) मैं भी आ गया- ..... बोला।

(३) मुझे एक ..... मिला।

(४) चूज़ा डूबते हुए .....।

(५) मैंने एक ..... पकड़ी।

(ऊ) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए।**

१. द्वित्वाक्षर शब्दों के नीचे '___' **खींचिए।**

संयुक्ताक्षर शब्दों को '◯' लगाइए।

बच्चा	बत्तख	सुग्गा	मक्खी	मच्छर
पत्थर	दोस्त	पक्की	रास्ता	बल्ला
चक्की	गड्ढा	बिल्ली	गन्ना	सब्जी
कुत्ता	चूल्हा	रस्सी	मुन्ना	प्याज

SCERT TELANGANA

(ए) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए।**

मुर्गी	बर्तन	फर्श	मिर्च	गर्मी
सर्दी	राष्ट्र	कृपा	तृण	उम्र
प्रथम	समुद्र	नम्र	क्रम	चक्र

लिखो

(अ) नीचे दिये गये द्वित्वाक्षर से शब्द **बनाइए।**

च्च	ट्ट	त्त	ग्ग	क्क
बच्चा	....	....	....	....

(आ) नीचे दिये गये संयुक्ताक्षर से शब्द **बनाइए।**

त्थ	ड्ढ	स्त	ब्ज	प्य
पत्थर	....	....	....	....

(इ) तालिका में के अक्षरों के साथ े, ै, ं, ॅ, ँ लगाकर **लिखिए।**

	क	ग	न	म	च	ज	ढ	भ	द
े									
ै									
ं									
ॅ									
ँ									

SCERT TELANGANA

(ई) नीचे दिये गये चित्रों के नाम **लिखिए**। उनसे वाक्य बनाकर **लिखिए**।

१. कुत्ता - कुत्ता ईमानदार जानवर है।

२. ....

३. ....

४. ....

५. ....

(उ) चित्र **देखिए**। चित्र में क्या-क्या हैं ? वाक्यों में **लिखिए**।

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

SCERT TELANGANA

७. घंटी कौन बाँधे

पूसी नामक एक बिल्ली थी। वह सदा चूहों की खोज में रहती थी। चूहे डर के मारे बिल से बाहर न निकल पाते।

एक बार निक्कू नामक चूहे ने सभी चूहों को सलाह देने के लिए बुलाया। निक्कू की **आवाज़** सुनते ही किट्टू, गिट्टू, बिट्टू और निट्टू सभी चूहे बिलों से बाहर आ गये।

निक्कू : मुझे बिल्ली से बचने का एक उपाय सूझा है।

किट्टू : कौन-सा?

बिट्टू : निक्कू भाई! जल्दी बताओ। इस पूसी ने तो हमारी नाक में दम कर रखा है।

निक्कू : पूसी की गरदन में एक घंटी बाँध देते हैं। जब वह आयेगी तो घंटी बजेगी। हम भागकर छुप जायेंगे।

किट्टू : गाय के गले में घंटी बँधी हुई है। उसकी रस्सी काटकर घंटी तो मैं ले आऊँगा और निक्कू रस्सी ले आयेगा।

SCERT TELANGANA

बिट्टू : फिर देर **काहे की। अभी ले आओ।**

बिट्टू, किट्टू और निक्कू की बात सुनकर उनके दादाजी बोले- बच्चो! यह सब कुछ तो तुम कर लोगे। परंतु बिल्ली के गले में घंटी बाँधेगा कौन?

दादाजी की बात सुनते ही सबके होश उड़ गये। उसी समय पूसी की म्याऊँ-म्याऊँ की **आवाज़** सुनायी दी। चूहों ने इधर-उधर छिपकर अपनी जान बचायी।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) चूहे किससे परेशान थे?

(आ) बिल्ली का नाम क्या था?

(इ) निक्कू की **आवाज़** सुनकर कौन बाहर आया?

(ई) निक्कू ने चूहों को बाहर क्यों बुलाया?

(उ) निक्कू ने बिल्ली से बचने का क्या उपाय बताया?

(ऊ) किट्टू और निक्कू की बात सुनकर दादाजी ने क्या कहा?

(ए) गीत की पंक्तियाँ आगे **बढ़ाइए**।

दूध मलाई किसने .....?

..... ने ही सब निपटायी।

किट्टू ने ..... लगायी।

चूहों दौड़ो .....।

पढ़ो-लिखो ।

(अ) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। पाठ में आये शब्द पहचानकर '◯' **लगाइए**।

बिल्ली	निक्कू	किट्टू	अड्डा	शक्कर
लट्टू	चक्की	लस्सी	रस्सी	अस्सी

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में रेखा खींचे गये अक्षरों को उसी का आधा अक्षर लगाकर **पढ़िए**।

बिली	-	बिल्ली
शकर	-	शक्कर
रसी	-	रस्सी
लटू	-	लट्टू

SCERT TELANGANA

(इ) अक्षर मिलाकर पढ़ो।

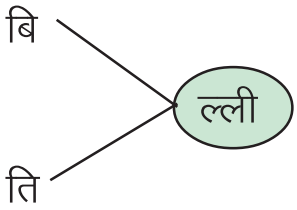

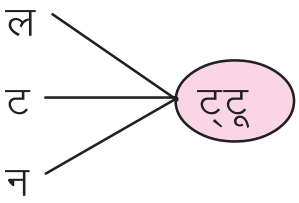

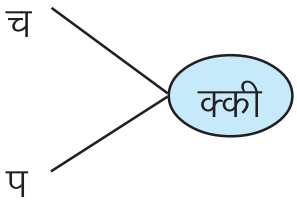

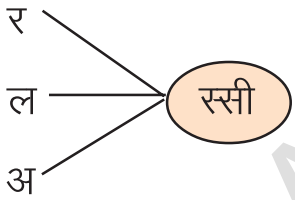

(ई) जल्दी-जल्दी **पढ़िए**।

बिल्ली	चक्की	रस्सी	डिब्बा	तिल्ली	पक्की
अस्सी	गुब्बारा	फल्ली	लस्सी	लट्टू	नट्टू

(उ) नीचे दिये गये शब्दों से खाली जगह **भरिए**।

बिल्ली रस्सी लट्टू अस्सी चक्की

१. नट्टू ..... से खेल रहा है।

२. रानी ..... कूद रही है।

३. ..... चूहे पर झपटी।

४. रामू ..... रुपये का सामान लाया।

५. **गेहूँ** ..... में पीसते हैं।

(ऊ) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। वाक्य सही क्रम में **लिखिए**।

१. बिल्ली नामक पूसी एक थी।

ज. .....

SCERT TELANGANA

२. गये बाहर आ बिलों से चूहे।

ज. .....

३. देते बाँध हैं एक घंटी।

ज. .....

४. रस्सी निक्कू आयेगा ले।

ज. .....

(ए) नीचे दिये गये शब्दों में अंतर **समझिए। पढ़िए।**

बिलली	-	बिल्ली
निककू	-	निक्कू
किटटू	-	किट्टू
रससी	-	रस्सी

लिखो

(अ) **द्वित्वाक्षर** में मात्रा लगाकर **पढ़िए। लिखिए।**

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ
क्क									
स्स									
ट्ट									
ल्ल									

SCERT TELANGANA

(आ) इन **द्वित्वाक्षरों** से शब्द **बनाइए** और **लिखिए**।

क्क	स्स	ल्ल	ब्ब
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(इ) 'बिल्ली' से संबंधित शब्द **लिखिए**।

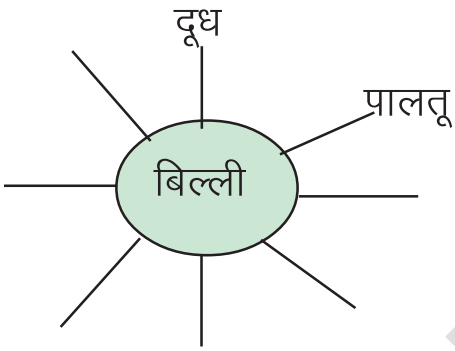

१. ..... २. ..... ३. .....

४. ..... ५. ..... ६. .....

(ई) खाली स्थान भरिए।

१. ..... का नाम पूसी था।

२. ..... ने सभी चूहों को सलाह करने के लिए बुलाया।

३. सभी ने मिलकर बिल्ली के गले में ..... बाँधने की सोची।

४. दादाजी ने पूछा - बिल्ली के गले में ..... बाँधेगा कौन?

५. पूसी की ..... **आवाज़** सुनायी दी।

SCERT TELANGANA

(उ) नीचे दिया गया चित्र **देखिए**। उसके बारे में **लिखिए**।

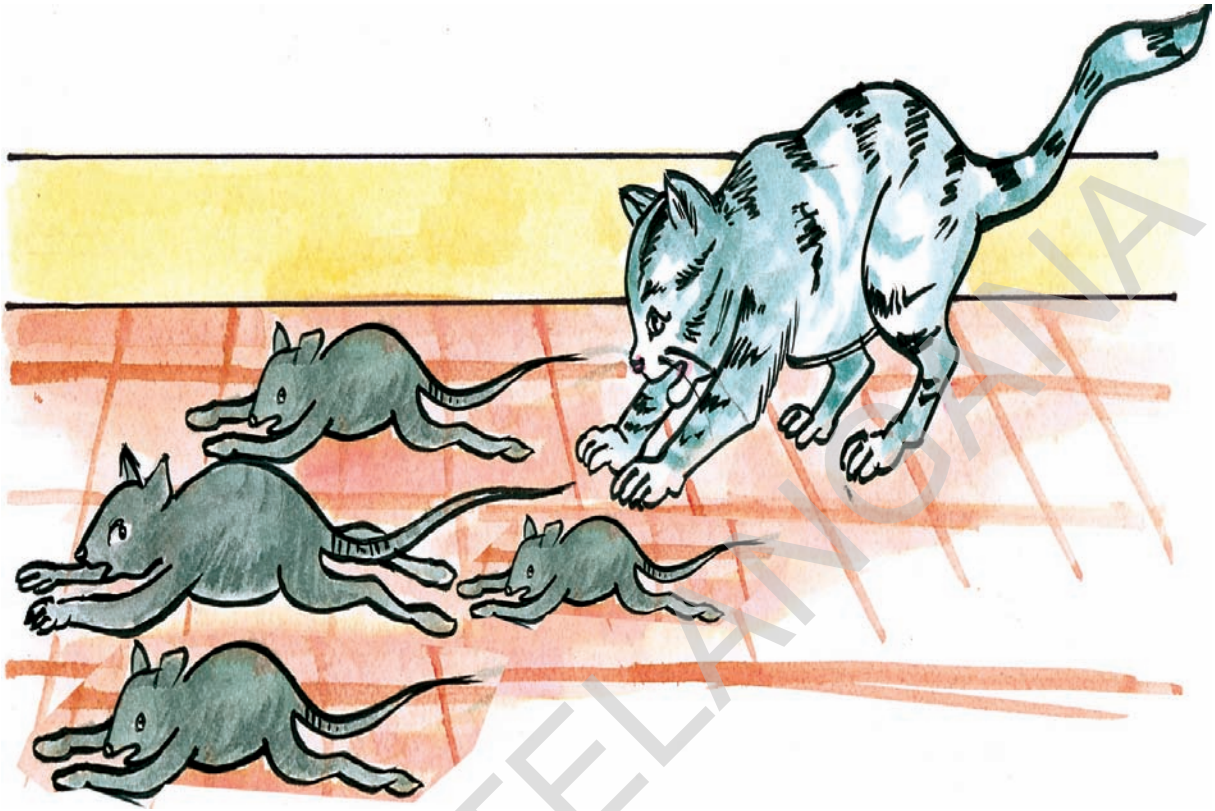

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

SCERT TELANGANA

8. कद्दूजी की बारात

कद्दूजी की चली बारात।
हुई बताशों की बरसात।।

बैंगन की गाड़ी के ऊपर
बैठे कद्दू राजा।
शलजम और **प्याज़** ने मिलकर
खूब बजाया बाजा।।

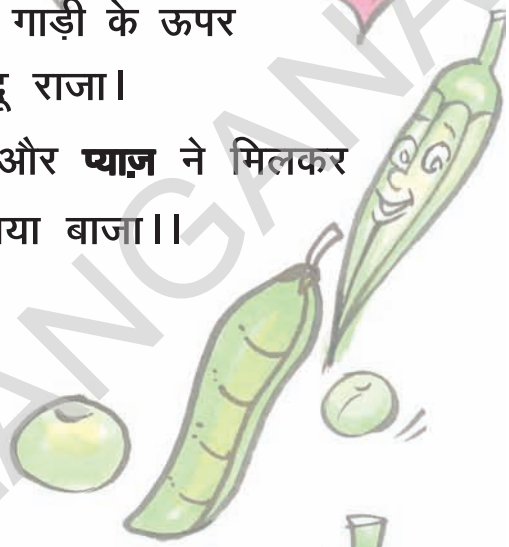

मेथी, पालक, भिंडी, तोरी
टिंडा, मूली, गाजर
बने बाराती नाच रहे थे
आलू, मटर, टमाटर।।

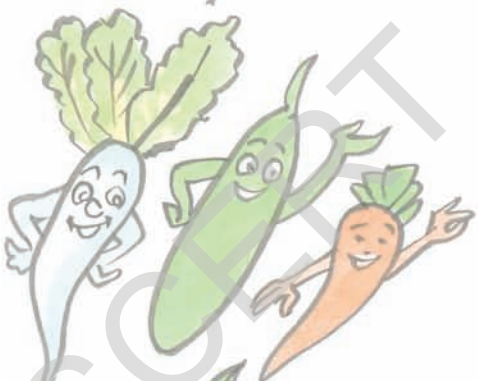

कद्दूजी हँसते-मुस्काते
लौकी दुल्हन लाये।
कटहल और करेले जी ने
चाट-पकौड़े खाये।।

प्रातः पता चली यह बात।
सपना देखा था यह रात।।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) गाड़ी के ऊपर कौन बैठे थे?

(आ) बाजा किसने बजाया?

(इ) कौन-कौन नाच रहे थे?

(ई) कद्दूजी की दुल्हन कौन थी?

(उ) चाट-पकौड़े किसने खाये?

(ऊ) कौन सी बात सपना थी?

(ए) गीत की पंक्तियाँ आगे **बढ़ाइए**।

मेथी, पालक को गुस्सा .....

कद्दू ने उन्हें नहीं .....

मिर्ची भी .....

लौकी पर .....।

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। पाठ में आये शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

शलजम	प्याज	टिंडा	कद्दू	लौकी
दुल्हन	प्रातः	पकौड़े	भिंडी	बैंगन

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में रेखा खींचे गये अक्षरों की मात्रा लगाकर पढ़िए। लिखिए।

कद्दू	-	कद्दू	.....
लट्टू	-	लट्टू	.....
शक्कर	-	शक्कर	.....
कच्चा	-	कच्चा	.....
बिल्ली	-	बिल्ली	.....

SCERT TELANGANA

(इ) अक्षर मिलाकर **पढ़िए**।

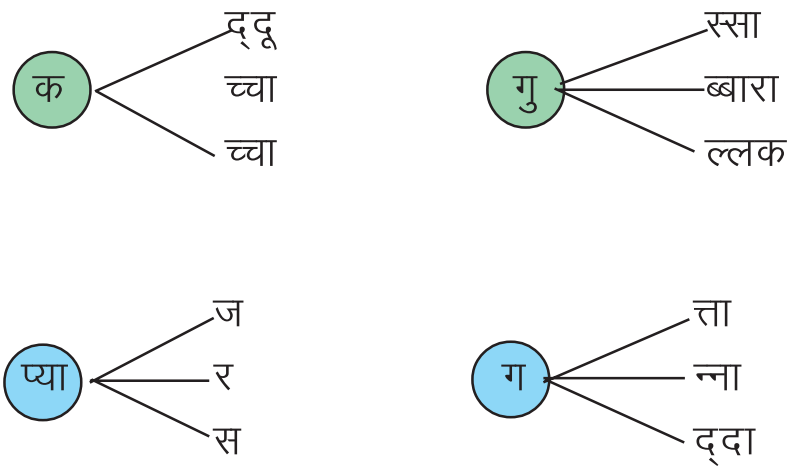

(ई) जल्दी-जल्दी **पढ़िए**।

गुस्सा	कद्दू	**प्याज़**	गट्ठा
गंदा	गद्दा	**गन्ना**	गुब्बारा
गुल्लक	प्यार	**गंध**	दुल्हन
मुस्कान			

(उ) नीचे दिये गये शब्दों से खाली जगह भरो।

दुल्हन कद्दू गुल्लक सुगंध गुस्सा

१. कमल को ..... आया।

२. मुझे ..... की **सब्ज़ी** अच्छी लगती है।

३. मेरी ..... में पचास रुपये है।

४. चारों ओर फूलों की ..... फैली है।

५. कद्दू ने लौकी को ..... बनाया।

SCERT TELANGANA

(ऊ) **नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। वाक्य सही क्रम में लिखिए।**

१. बाजा बजाया ने शलजम और **प्याज़**।

.....

२. थे रहे नाच टिंडा, मूली, गाजर।

.....

३. देखा था सपना में रात।

.....

४. गाड़ी बैंगन में थे बैठे की।

.....

५. खाये पकौड़े-चाट ने कटहल और करेले।

.....

लिखो

(अ) **द्वित्वाक्षर में मात्रा लगाकर लिखिए।**

	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	ॅ	े	ै
द्द									
ब्ब									
न्न									

द्वित्वाक्षरों से दो-दो शब्द बनाइए और लिखिए।

द्द	ब्ब	न्न	ल्ल
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये चित्रों के नाम **लिखिए**। नाम से वाक्य बनाकर **बोलिए**। **लिखिए**।

१. ....

२. ....

३. ....

....

....

४. ....

५. ....

(इ) 'गुब्बारा' से संबंधित शब्द **लिखिए**।

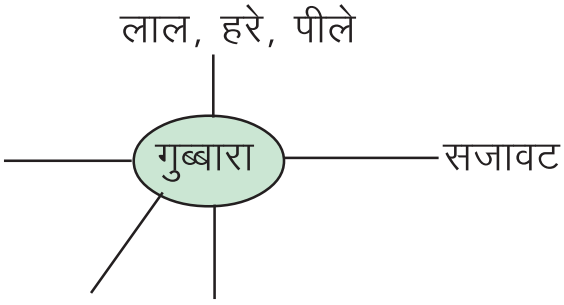

SCERT TELANGANA

(ई) निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. बारात किसकी थी?

ज. .....

२. कद्दूजी की बारात में किसकी बरसात हुई?

ज. .....

३. कद्दूजी दुल्हन कैसे लाये?

ज. .....

(ऊ) नीचे दिया गया चित्र देखिए। उसके बारे में तीन वाक्य लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

9. अंकों का व्यवहार

तीन रंग का तिरंगा फ़हरायें,
एक स्वर में राष्ट्रगीत गायें।
नौ खिलाड़ी खो-खो में छाये,
सात दिनों का सप्ताह कहलाये।
पाँच उंगलियाँ करें कमाल,
दो पहियों का जाल।
छः पैरों से घूमे तिलचट्टा,
दस से दहाई, गणित हो पक्का।
चारों दिशाओं में हुआ प्रभात,
आठ प्रहर जीवन की सौगात।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) १. गीत **गाइए** - अभिनय **कीजिए**।

२. गीत में आये अंकों वाले शब्द ध्यानपूर्वक **सुनिए**।

(आ) तिरंगे झंडे में कितने रंग होते हैं? नाम **बताइए**।

(इ) सप्ताह के सात दिन क्रम से **बताइए**।

(ई) **विद्यालय** में **आप** खो-खो के अलावा और कौन-कौन से खेल खेलते हो?

(उ) दो, चार पहियों वाले वाहनों के नाम **बताइए**।

(ऊ) उंगलियों से बहुत सारे काम किये जाते हैं। **आप** उंगलियों से कौन-कौन से कमाल कर सकते हैं? **बताइए**।

(ए) चारों दिशाओं के नाम **बताइए**।

(ऐ) एक से दस तक गिनती **बोलिए**।

(ओ) **आपको** कौन-कौन से विषय पढ़ाये जाते हैं? विषयों के नाम **हिंदी** में **बोलिए**।

पढ़ो-लिखो

(अ) गीत में अंक बताने वाले अनेक शब्द हैं। गीत में उन्हें ढूँढकर उनपर '◯' लगाइए।

(आ) बक्से में दिये गये अंक देखिए। नीचे दिये गये शब्द पढ़िए।

१	२	३	४	५
एक	दो	तीन	चार	पाँच
६	७	८	९	१०
छः	सात	आठ	नौ	दस

SCERT TELANGANA

(इ) नीचे दिये गये अंक और अक्षर **पढ़िए**। रेखा खींचकर उन्हें **मिलाइए**। **लिखिए** ।

१	दो	.....
२	चार	.....
३	पाँच	.....
४	सात	.....
५	तीन	.....
६	एक	.....
७	छः	.....
८	दस	.....
९	आठ	.....
१०	नौ	.....

(ई) **जल्दी-जल्दी पढ़िए**।

एक, दो, तीन, चार
कभी न मानें हार
पाँच, छः, सात, आठ,
मोनू के हैं बड़े ठाठ
नौ-दस, नौ-दस
गिनती हो गयी बस।

(उ) **नीचे दिये गये शब्दों से संबंधित वाक्य गीत में पहचानिए और पढ़िए**।

नौ	पाँच	सात	चार	दो
एक	छः	आठ	दस	तीन

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

(ऊ) गीत ध्यानपूर्वक **पढ़िए।**

नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। खाली जगह **भरिए**।

सात तीन आठ पाँच दो

१. ..... पहियों का फैला जाल।

२. ..... प्रहर जीवन की सौगात।

३. ..... दिनों का सप्ताह कहलाये।

४. ..... उंगलियाँ करें कमाल।

५. ..... रंग का तिरंगा फ़हरायें।

(ए) नीचे कुछ वाक्य दिये गये हैं। वाक्य में दिये गये अंकों से संबंधित अक्षरों से वाक्य पूरा कीजिए।

१. रावण के [१०] सिर थे।

रावण के ..... सिर थे।

२. दिशाएँ [४] हैं।

दिशाएँ ..... हैं।

३. ऋतुएँ [६] होती हैं।

ऋतुएँ ..... होती हैं।

४. हम सब [१] हैं।

हम सब ..... हैं।

५. रत्न [९] हैं।

रत्न ..... हैं।

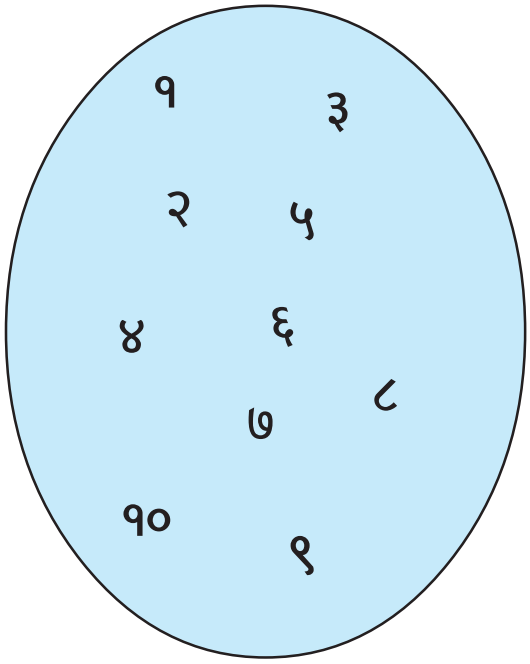

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) नीचे दिये गये चित्र देखिए। चित्र गिनिए और नीचे अक्षरों में लिखिए।

उदा- एक आम

..... सेब

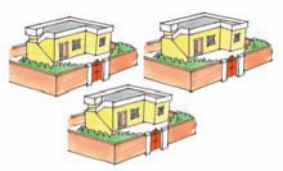

.....घर

..... मटर

..... इमली

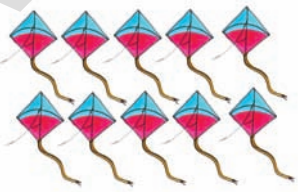

..... पतंग

..... फूल

..... गुब्बारे

..... ऐनक

..... पेड़

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे तालिका में दिये गये अंकों और अक्षरों का क्रम सही नहीं है।

अंक के अनुसार अक्षर लिखिए ।

अंक	अक्षर
५	छः
३	पाँच
२	तीन
१	दो
६	एक
१०	आठ
७	सात
९	नौ
८	दस
४	चार

अंक	अक्षर
१	एक

(इ) नीचे दिये गये वाक्यों का क्रम सही नहीं है। उन्हें क्रम में लिखिए।

१. सप्ताह कहलाये का दिनों सात।

उदा - सात दिनों का सप्ताह कहलाये।

२. तिलचट्टा पैरों से घूमे छः।

.....

३. खिलाड़ी में खो-खो छाये नौ।

.....

४. स्वर एक में गायें राष्ट्रगीत।

.....

SCERT TELANGANA

५. प्रभात में हुआ चार दिशाओं में

.....

(ई) नीचे के शीर्षक **पढ़िए** और **लिखिए।**

१. पाँच मित्रों के नाम :

....

....

२. तीन विषयों के नाम :

....

३. छः फलों के नाम :

....

....

४. सात रंगों के नाम :

....

....

.....

५. चार **सब्ज़ियों** के नाम :

....

....

६. दो पक्षियों के नाम :

....

SCERT TELANGANA

(उ) नीचे दी गयी वर्ग पहेली में अंकों के नाम छिपे हैं। उन्हें **पहचानिए** और क्रम से **लिखिए**।

नौ	ती		चा	र
	न	पाँ	च	सा
ए	क			त
द		छ		आ
स	दो	ह		ठ

१. एक २. .....

३. ..... ४. .....

५. ..... ६. .....

७. ..... ८. .....

९. ..... १०. .....

(ऊ) केसरिया, सफेद, हरा, तीन रंगों के कागज **लीजिए**। उनसे तिरंगा **बनाइए** और अपनी नोटबुक में **चिपकाइए**। इसके बारे में तीन वाक्य **लिखिए**।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

10. ग्वाला

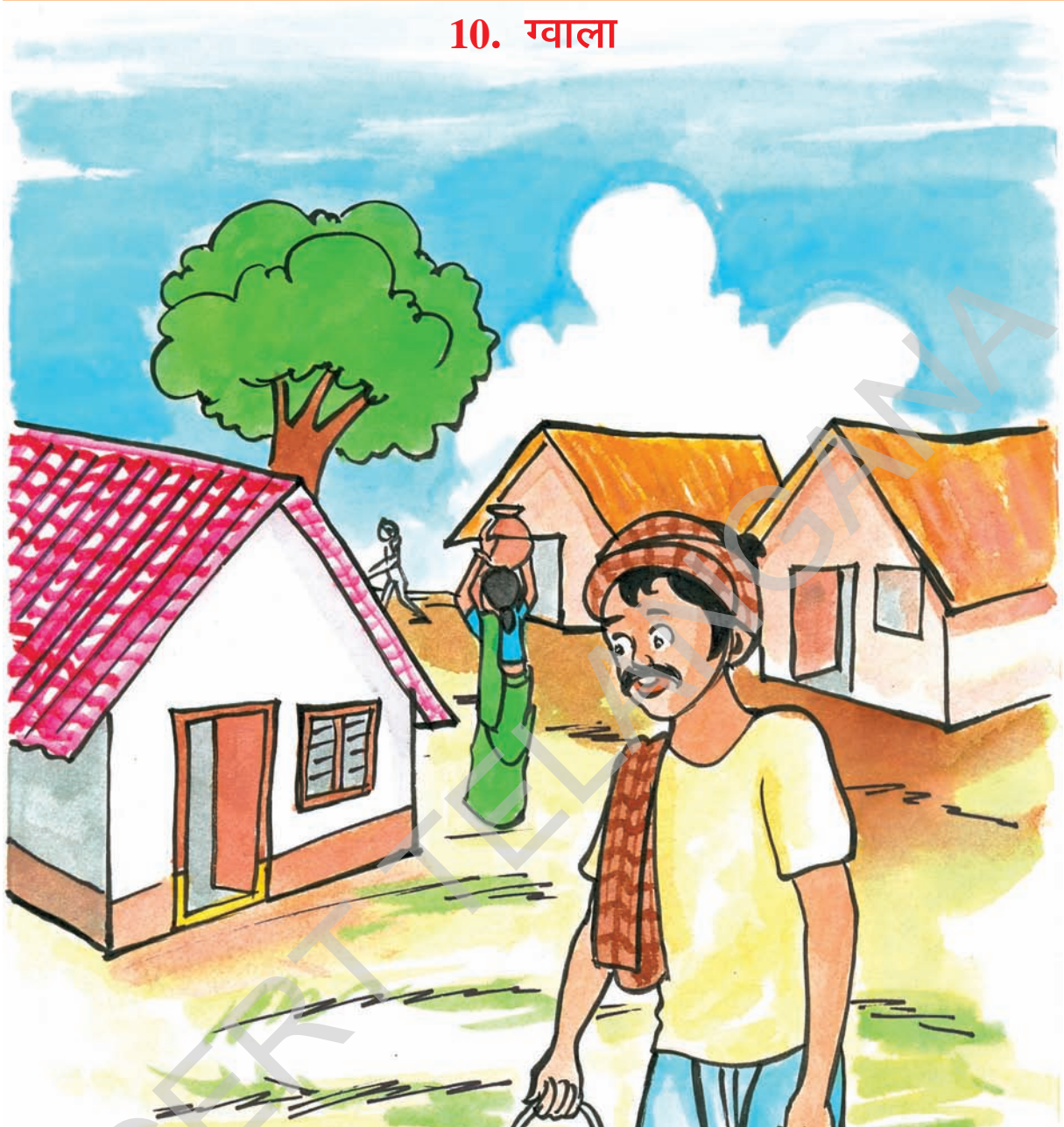

बिल्लू गाँव का ग्वाला है।

उसके पास एक अच्छी गाय है।

गाय के बच्चे को बछड़ा कहते हैं।

बिल्लू नित्य ताजा दूध लाता है।

दूध स्वास्थ्य के लिए उत्तम है।

दूध से दही बनता है।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सुनो-बोलो

(अ) १. पाठ ध्यान पूर्वक **सुनिए** और कक्षा में **सुनाइए**।

२. पाठ में आये संयुक्ताक्षरों को ध्यान से **सुनो**।

(आ) ग्वाले का नाम क्या है?

(इ) गाय के बच्चे को क्या कहते हैं?

(ई) बिल्लू नित्य क्या लाता है?

(उ) स्वास्थ्य के लिए उत्तम क्या है?

(ऊ) दूध के अलावा और कौन-सी चीजें स्वास्थ्य के लिए उत्तम हैं? **बताइए**।

(ए) दूध से दही के अलावा और कौन-कौन-सी चीजें बनायी जाती हैं?

(ऐ) अपने गाँव के बारे में **बताइए**।

पढ़ो-लिखो

(अ) १. नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। पाठ में आये संयुक्ताक्षर शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

अच्छी	गुच्छा	स्वास्थ्य	प्यास	त्याग
ग्वाला	मस्त	नित्य	विघ्न	सख्त

२. पाठ में आये द्वित्वाक्षर **पढ़िए।**

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में अंतर समझकर पढ़िए। सही शब्द का चयन कीजिए।

१. गवाला	-	ग्वाला	२. अचछी	-	अच्छी
३. नितय	-	नित्य	४. पयास	-	प्यास
५. नयारा	-	न्यारा	६. मसत	-	मस्त

SCERT TELANGANA

(इ) चित्रों के नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। इन शब्दों से वाक्य बनाकर **बोलिए**।

ग्वाला

पत्थर

सब्ज़ी

प्याज़

ध्वज

मच्छर

(ई) नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए**। सही शब्द के नीचे रेखा **खींचिए**।

१. खयाति	ख्याति	ख्याती	खयाती
२. ग्वाला	गवाला	ग्वला	गवाल
३. जवर	ज्वर	ज्वर	जव्र
४. तवचा	त्वाच	त्वचा	त्वच
५. सबजी	सब्जी	सब्जि	सब्जि

(उ) नीचे दिये गये वाक्य **पढ़िए**।

१. ग्वाला ग्यारह बजे आया।

२. पुष्प सुंदर है।

३. यह काव्य अच्छा है।

४. स्वतंत्रता हमारा लक्ष्य है।

५. हमारा ध्वज न्यारा है।

SCERT TELANGANA

(ऊ) नीचे दिये गये शब्द पढ़ो। संयुक्ताक्षर शब्दों पर '◯' लगाइए। द्वित्वाक्षर शब्दों पर '✓' लगाइए।

बिल्लू	ग्वाला	नित्य	अच्छी
बच्चा	स्वास्थ्य	उत्तम	सुग्गा
शब्द	म्यान	डिब्बा	चप्पल

लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्दों में रेखांकित शब्द गलत है। सही अक्षर पहचान कर शब्द लिखिए।

१. वाला दूध लाया। (ग्, स्, च्) **उदा-** ग्वाला

२. रामू अछा लड़का है। (स्, ज्, च्) .....

३. पुप सुंदर है। (श्, ष्, ल्) .....

४. याली में चाय है। (ष्, प्, ट्) .....

५. राजा ने याय किया। (न्, स्, श्) .....

६. मोहन को वर है। (च्, ज्, त्) .....

(आ) नीचे बक्से में दिये गये शब्द पढ़िए।

शिल्प	म्यान	न्याय	त्याग
स्नान	पुष्प	शब्द	ख्याति
ज्वर	अण्डा	व्यय	प्याज
अच्छा	अध्ययन	कश्मीर	सभ्य
ग्यारह	तथ्य		

SCERT TELANGANA

नीचे दिये गये अक्षरों से बनने वाले संयुक्ताक्षर शब्द ऊपर दिये बक्से में से चुनकर लिखिए।

ख	ग	च	ज	ण
ख्याति	.....	.....	.....	.....
त	थ	ध	न	प
.....	.....	.....	.....	.....
व	भ	म	ल	व
.....	.....	.....	.....	.....
श	ष	स		
.....	.....	.....		

(इ) चित्र देखिए। चित्र के बारे में एक वाक्य लिखिए।

१.

.....

२. 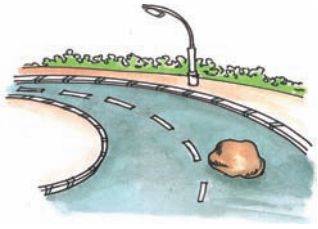

.....

SCERT TELANGANA

३.

.....

४.

.....

५.

.....

६.

.....

(ई) नीचे दी गयी तालिका के आधार पर वाक्य बनाइए।

ग्वाला	सुंदर	रहा है।
ध्वज	गमले	लिखो।
पुष्प	फहर	में लगाओ।
पत्थर	दूध	है।
शब्द	सख्त	लाया।

SCERT TELANGANA

उदा - १. ग्वाला दूध लाया।

२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

(उ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

स्वास्थ्य ग्वाला दही बछड़ा गाय

१. उसके पास एक अच्छी ..... है।

२. दूध ..... के लिए उत्तम है।

३. दूध से ..... बनता है।

४. बिल्लू गाँव का ..... है।

५. गाय के बच्चे को ..... कहते हैं।

(ऊ) रंग-बिरंगे फूलों के चित्र बनाइए। रंग भरिए। फूलों के बारे में तीन वाक्य लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

11. उद्यान

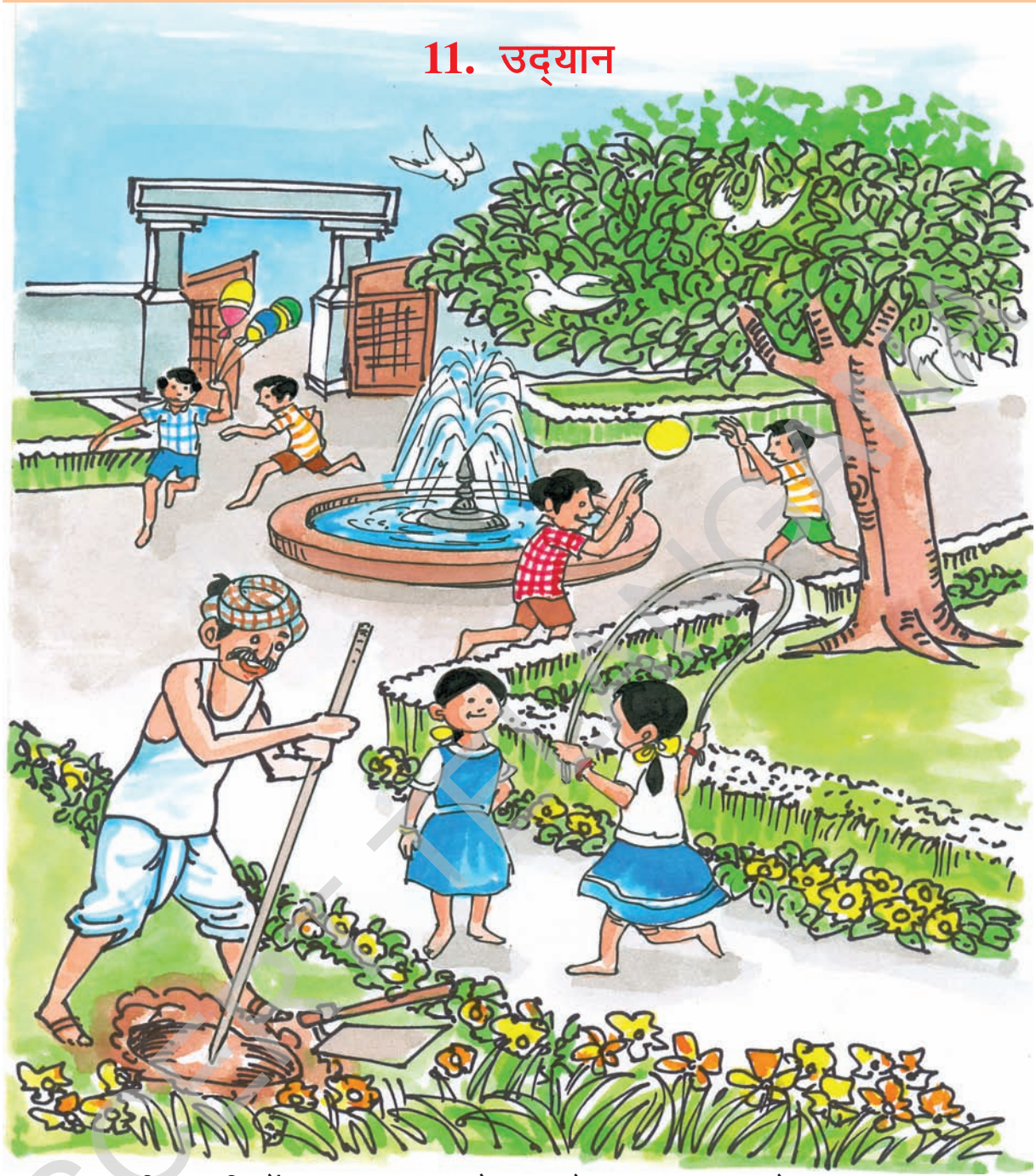

हमारी नगरी में एक उद्यान है। इसके मुख्य **द्वार** के आस-पास सुंदर-सुंदर फ़ूल खिले हैं। हरी पत्तियों और फूलों से लदे वृक्ष प्यारे लगते हैं। माली गड्ढे खोदकर उनमें पौधे लगाता है। यहाँ हर दिन सुबह वृक्षों पर मिट्ठू, मैना और कोयल आकर बैठती हैं। उद्यान के मध्य एक फ़व्वारा है। यहाँ बच्चे टट्टुओं की सवारी करते हैं। गेंद, गुब्बारों से खेलते हैं।

सुनो-बोलो

(अ) १. पाठ ध्यानपूर्वक **सुनिए** और कक्षा में **सुनाइए**।

२. पाठ में आये संयुक्ताक्षर शब्दों को ध्यान पूर्वक **सुनिए**।

(आ) उद्यान के मुख्य **द्वार** के पास क्या है?

(इ) **आप** अपने घर के उद्यान में कौन-कौन-से फूलों के पौधे **लगाएँगे**?

(ई) पाठ में किन-किन पक्षियों के नाम आये हैं?

(उ) पाठ में आये पक्षियों के नाम के अलावा कुछ और पक्षियों के नाम **बताइए**।

(ऊ) **आपको** किसकी सवारी करना पसंद है?

(ए) खेल के मैदान में **आप** किन-किन चीजों से खेलते हैं?

(ऐ) घर में **आपको** कौन-कौन से खेल खेलना पसंद है?

पढ़ो-लिखो

(अ) १. नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। पाठ में आये संयुक्ताक्षर शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

चिह्न	उद्यान	गट्ठा	मिट्ठू	बुड्ढा
द्वीप	द्वार	मुख्य	जिह्वा	मध्य

२. पाठ में आये द्वित्वाक्षर शब्द पढ़िए।

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में अंतर समझकर पढ़िए। सही शब्द का चयन कीजिए।

१. दवार	-	द्वार	४. मिटठू	-	मिट्ठू
२. उदयान	-	उद्यान	५. चिहन	-	चिह्न
३. गडढे	-	गड्ढे	६. गटठा	-	गट्ठा

SCERT TELANGANA

(इ) **चित्रों के नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। उन शब्दों से वाक्य बनाकर बोलिए।**

मिट्ठू   गड्ढा   उद्यान   जिह्वा

१. ....

२. ....

३. ....

४. ....

(ई) **नीचे दिये गये शब्द पढ़िए और सही शब्द के नीचे रेखा खींचिए।**

१. उधान   उधयान   उद्यान   उदयान

२. चिह्न   चिन्ह   चिहन   चिह्न्

३. गडढा   गढा   गडडा   गड्ढा

४. मिट्टू   मिट्ठू   मिटठू   मिठठू

(उ) **नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए।**

१. यह मेरा **विद्यालय** है।

२. उद्यान बहुत बड़ा है।

३. सड़क पर गड्ढा है।

४. मिट्ठू की चोंच लाल है।

५. द्वार के पास पौधा है।

SCERT TELANGANA

(ऊ) **नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। संयुक्ताक्षर शब्दों पर ' ◯ ' लगाइए। द्वित्वाक्षर शब्दों पर '✓' लगाइए।**

द्वार	टट्टू	मध्य	चिह्न	गुब्बारा
गड्ढा	जिह्वा	पत्तियाँ	टट्टू	प्यार

लिखो

(अ) **नीचे दिये गये शब्दों में रेखांकित शब्द गलत है। सही शब्द सामने लिखिए।**

१. मिटठू हरे रंग का होता है। .....

२. फूलों के वृक्ष पयारे लगते हैं। .....

३. लकड़ी का गटठा बड़ा है। .....

४. विदया विनय से आती है। .....

५. वह बुडढा आदमी है। .....

६. सड़क के मधय मोटर है। .....

(आ) **नीचे बक्से में दिये गये शब्द पढ़िए।**

बुड्ढा	चिह्न
गट्ठा	लट्ठे
गड्ढा	जिह्वा
विद्या	उद्यान

SCERT TELANGANA

नीचे दिये गये अक्षरों से बनने वाले संयुक्ताक्षर शब्द बक्से में से चुनकर लिखिए।

द	ट	ड	ह
विद्या	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(इ) अपने बारे में **लिखिए।**

१. मेरा नाम - .....

२. मेरी माताजी का नाम - .....

३. मेरे पिताजी का नाम - .....

४. मेरे विद्यालय का नाम - .....

५. मेरी अध्यापिका का नाम - .....

६. मेरा मनपसंद विषय - .....

७. मेरी मनपसंद सब्जी - .....

८. मेरा मनपसंद फल - .....

९. मेरा मनपसंद खेल - .....

१०. मेरा मनपसंद मित्र - .....

(ई) चित्र **देखिए।** चित्र के बारे में एक वाक्य **लिखिए।**

१.

.....

SCERT TELANGANA

२.

.....

३.

.....

४. 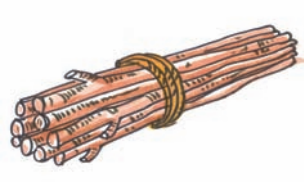

.....

(उ) नीचे दिये गये उचित शब्दों से रिक्त स्थान भरिए।

फूल, उद्यान, वृक्ष, द्वार, गड्ढे, पौधे, पत्तियों

हमारी नगरी में एक ..... है। इसके मुख्य ..... के आस-पास सुंदर-सुंदर ..... खिले हैं। हरी ..... और फूलों से लदे ..... प्यारे लगते हैं। माली ..... खोदकर उनमें ..... लगाता है।

(ऊ) नीचे दी गयी तालिका के आधार पर वाक्य लिखिए।

अध्यापक	पढ़	
शिष्य	पढ़ा	
द्वार	मना	रहे हैं।
त्योहार	खिल	
पुष्प	खोल	

SCERT TELANGANA

उदा :१. अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

(ए) हरा और लाल **कागज़** लीजिए। तोता **बनाइए**। **चिपकाइए**। तोते के बारे में तीन वाक्य लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

रामू की चतुराई

पढ़ो-आनंद लो

1

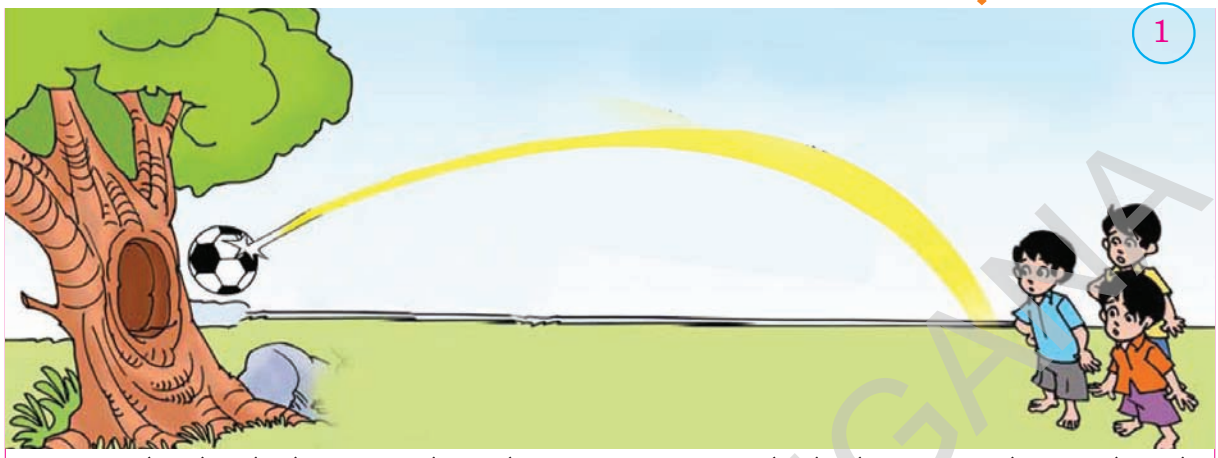

रामू अपने दोस्तों के साथ गेंद खेल रहा था। इतने में गेंद उछलते हुए पेड़ के कोटर में गिर गयी।

2

गेंद के लिए बच्चों ने पेड़ के कोटर में हाथ डाला। चींटियों ने काट लिया।

3

रामू ने एक बढ़िया तरकीब सोची।

4

घड़ों से पानी लाकर पेड़ के कोटर में डाला। गेंद तैरती हुई ऊपर आयी।

5

बच्चों ने रामू की चतुराई की प्रशंसा की।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

12. रुक्की

क्या, तुम रुक्की को जानते हो?

नहीं, तो चलो उससे मिलते हैं। रामपुर एक छोटा-सा गाँव है। गाँव के चौराहे पर गफ़्फ़ार चाचा का पक्का घर है। वे पास की गली के नुक्कड़ पर विद्युत विभाग के **दफ़्तर** में काम करते हैं। गफ़्फ़ार चाचा की लड़की रुक्की ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती है। वह तेज़ रफ़्तार से चलती हुई विद्यालय जाती है। समय मिलने पर वह स्वेटर बुनने में माँ की मदद करती है। सबको उसका स्वभाव अच्छा लगता है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) १. पाठ ध्यानपूर्वक **सुनिए** और कक्षा में **सुनाइए**।

२. पाठ में आये संयुक्ताक्षर शब्दों को ध्यानपूर्वक **सुनिए**।

(आ) पाठ किसके बारे में है?

(इ) रुक्की के पिताजी किस दफ़्तर में काम करते हैं?

(ई) **आपके** पिताजी क्या काम करते हैं?

(उ) **आप** घर के कौन-कौन से कामों में माँ की मदद करते **हैं**?

(ऊ) **आप** विद्यालय कैसे जाते **हैं**?

(ए) क्या **आपके** मित्र **आपको** पसंद करते हैं? यदि हाँ, तो **बताइए** - क्यों?

पढ़ो-लिखो

(अ)

१. नीचे दिये गये संयुक्ताक्षर शब्द पढ़िए। पाठ में आये संयुक्ताक्षर शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

दफ़्तर	म्यान	ग्वाला	नित्य	स्वभाव
विद्यालय	अच्छा	तुम्हें	प्याज	ग्यारह

२. पाठ में आये द्वित्वाक्षर शब्द पढ़िए।

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में अंतर समझकर पढ़िए।

१. मकखी	-	मक्खी	४. दफतर	-	दफ़्तर
२. कयारी	-	क्यारी	५. हफता	-	हफ़्ता
३. डॉकटर	-	डॉक्टर	६. रफतार	-	रफ़्तार

SCERT TELANGANA

(इ) एक ही अक्षर से बननेवाले **द्वित्वाक्षर** और संयुक्ताक्षर शब्द **पढ़िए।**

द्वित्वाक्षर	-	संयुक्ताक्षर
चक्की	-	मक्खी
सुग्गा	-	भाग्य
गफ़्फ़ार	-	रफ़्तार
सच्चा	-	अच्छा
पत्ता	-	सत्य
गुब्बारा	-	शब्द
फव्वारा	-	व्यापार
लट्टू	-	मिट्ठू
गद्दा	-	उद्यान
टिड्डा	-	गड्ढा

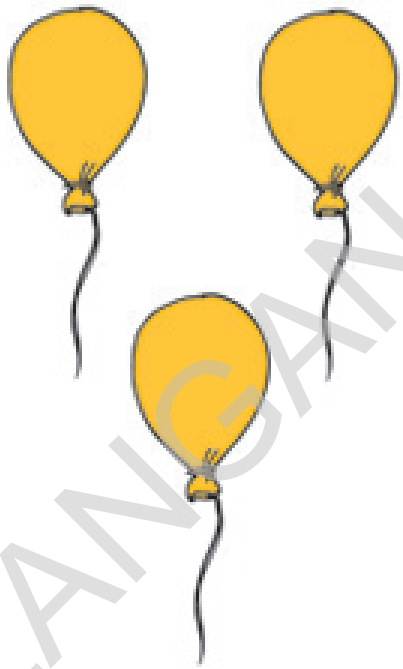

(ई) चित्रों के नीचे दिये गये शब्द **पढ़िए।** उन शब्दों से वाक्य बनाकर **बोलिए।**

डॉक्टर

रफ़्तार

(उ) नीचे दिये गये वाक्य **पढ़िए।**

SCERT TELANGANA

१. दीवार पर मक्खी है।

२. यह फूलों की क्यारी है।

३. सड़क पर रिक्शा है।

४. यह मेरे पिताजी का दफ़्तर है।

५. रेल की रफ़्तार तेज़ है।

६. हफ़्ते में सात दिन होते हैं।

(ऊ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। शब्द से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

१. मक्खी

१. इस शब्द में कौन-सा संयुक्ताक्षर है? .....

२. 'ख' में कौन-सी मात्रा है? .....

२. **रफ़्तर**

१. इस शब्द में कौन-सा संयुक्ताक्षर है? .....

२. 'त' में कौन-सी मात्रा है? .....

३. संयुक्ताक्षर किन अक्षरों के बीच है? .....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों में रेखांकित शब्द गलत है। सही शब्द सामने लिखिए।

१. वहाँ <u>मकखी</u> है। .....

२. मेरा <u>दफतर</u> दूर है। .....

३. वह <u>डॉकटर</u> है। .....

४. उसकी <u>रफतार</u> तेज़ है। .....

SCERT TELANGANA

५. तुम <u>क्या</u> कर रहे हो? .....

(आ) चित्रों के आधार पर नीचे दिये गये वाक्य पुनः लिखिए।

१. मैं हूँ।

....

२. आप हैं।

....

३. हमें गुलाब का पसंद है।

....

४. वे जाते हैं।

....

(इ) 'क', 'फ' अक्षरों से बनने वाले कुछ संयुक्ताक्षर शब्द लिखिए।

क	फ
.....	.....
.....	.....
.....	.....

SCERT TELANGANA

(ई) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

हफ्ता क्यारी मक्खी रिक्शा रफ्तार

१. यह सुंदर फूलों की ..... है।

२. सड़क पर .....है।

३. सात दिनों का ..... होता है।

४. दीवार पर ..... है।

५. रेल की ..... तेज़ है।

(उ) अपने मित्र के बारे में लिखिए।

मित्र का नाम	-	.....
पिताजी का नाम	-	.....
माताजी का नाम	-	.....
गाँव का नाम	-	.....
पाठशाला का नाम	-	.....
कक्षा	-	.....
मनपसंद मिठाई	-	.....
मनपसंद फल	-	.....
मनपसंद खेल	-	.....
मनपसंद रंग	-	.....

SCERT TELANGANA

(ऊ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. **गफ़्फार** चाचा का घर कहाँ है?

ज. .....

२. रुक्की किस कक्षा में पढ़ती है?

ज. .....

३. समय मिलने पर रुक्की क्या करती है?

.....

(ए) पेड़ का चित्र बनाइए। रंग भरिए। पेड़ के बारे में तीन वाक्य लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

13. इंद्रधनुष

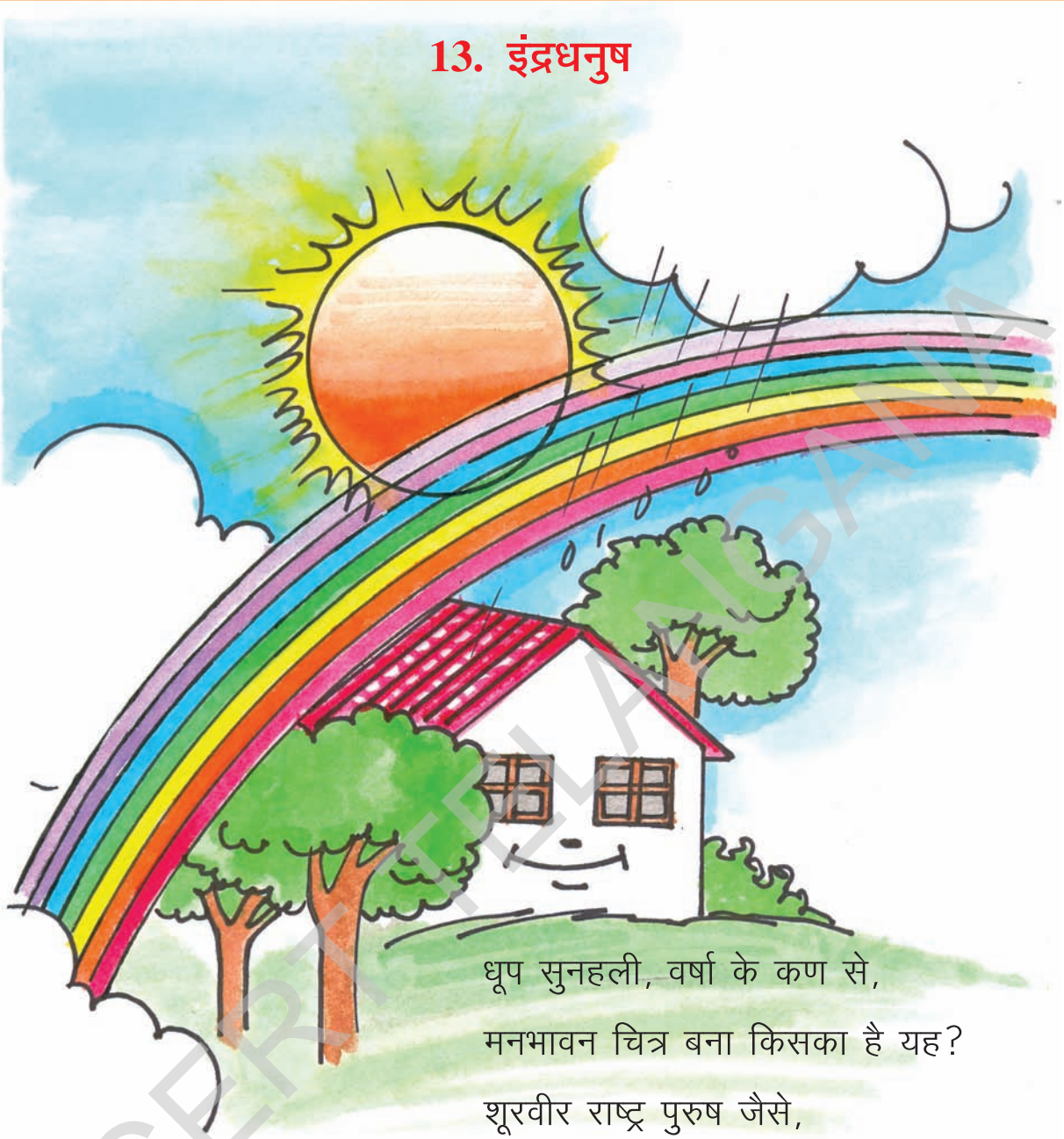

धूप सुनहली, वर्षा के कण से,
मनभावन चित्र बना किसका है यह?
शूरवीर राष्ट्र पुरुष जैसे,
तना हुआ कौन खड़ा है वह?

लाल, आसमानी, बैंगनी, नारंगी
नीला, पीला, हरा, सतरंगी,
देख इसे पूरा घर खुश है,
इंद्रधनुष है, इन्द्रधनुष है।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सुनो-बोलो

(अ) (१) गीत **गाइए**। अभिनय **करिए**।

(२) गीत में आये 'र' मात्रा के शब्दों को ध्यानपूर्वक **सुनिए**।

(आ) गीत में किस मौसम का वर्णन है?

(इ) वर्षा के बाद आकाश में क्या दिखाई देता है?

(ई) इंद्रधनुष में कौन-कौन से रंग होते हैं?

(उ) गीत में आये रंगों के अलावा और भी कुछ रंगों के नाम **बताइए**।

(ऊ) वर्षा में भीगने से बचने के लिए **आप** किन-किन चीज़ों का उपयोग करते है?

(ए) क्या **आपको** वर्षा में भीगना अच्छा लगता है? हाँ तो, **बताइए** क्यों? नहीं तो, क्यों नहीं?

(ऐ) गीत की पंक्तियाँ आगे **बढ़ाइए**।

काले-काले बादल छाये,

साथ खूब .....

..... खूब गायें,

..... इंद्रधनुष बनायें।

पढ़ो-लिखो

(अ)

१. गीत में आये रंगों के नाम के नीचे रेखा खींचिए।

२. नीचे दिये गये 'र' मात्रा वाले शब्द पढ़िए। गीत में आये 'र' मात्रावाले शब्दों पर '◯ ' लगाइए।

वर्षा	पर्वत	कर्म	राष्ट्र	ट्रक
इंद्रधनुष	पृथ्वी	गृह	चक्र	भ्रमण

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में अंतर समझकर पढ़िए

कृति - कीर्ति	क्रिया - कृपा	ग्रह - गृह
कर्म - क्रम	ट्रक - तर्क	समुद्र - सर्द

(इ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। 'ˉʿ' मात्रा वाले शब्दों पर '◯' लगाइए। '/' मात्रा वाले शब्दों पर '✓' लगाइए। '꜀' मात्रा वाले शब्दों पर 'X' लगाइए। '‸' की मात्रा वाले शब्दों पर '△' बनाइए।

चक्र	गृह	ट्रक	ग्रह	कर्म	प्रकाश
राष्ट्र	पृथ्वी	पर्वत	ड्रामा	धर्म	कृति

(ई) नीचे दिये गये चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। शब्दों से वाक्य बनाकर बोलिए।

इंद्रधनुष

पर्वत

कुर्सी

मृग

राष्ट्र

ट्रक

गृह

सूर्य

SCERT TELANGANA

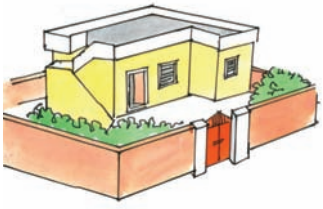

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

(उ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए।

१. हिमालय ऊँचा पर्वत है।

२. आकाश में सतरंगी इंद्रधनुष है।

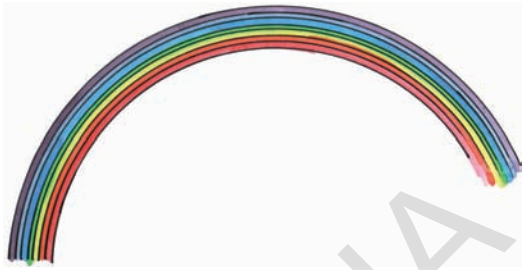

३. यह ट्रक लाल है।

४. भारत विशाल राष्ट्र है।

५. चित्र सुंदर है।

लिखो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों में कुछ शब्द सही नहीं है। सही करके वाक्य पुनः लिखिए।

१. सूय पकाश देता है। .....

२. भारत हमारा राष्ट है। .....

३. कीर्ति के पैर में दद है। .....

४. आकाश में इंदधनुष है। .....

५. पवत के पास मग है। .....

(आ) दी गयी मात्राओं से शब्द बनाकर तालिका में लिखिए।

ृ	ू	ी	र्म
गृह	ट्राम	क्रीड़ा	चर्म

SCERT TELANGANA

(इ) नीचे दिये गये शब्द सही नहीं हैं। सही शब्द लिखिए।

१. गुबारा - ..... २. चकी - .....

३. गुछा - ..... ४. पुप - .....

५. गह - ..... ५. कुसी - .....

७. मिटठू - ..... ८. उयान - .....

९. पवत - ..... १०. अडा - .....

(ई) नीचे दिये गये रिक्त स्थान उचित शब्दों से भरिए।

इंद्रधनुष, दर्जी, पृथ्वी, क्रिकेट, राष्ट्र

१. हम ..... पर रहते हैं।

२. आकाश में ..... है।

३. भारत हमारा ..... है।

४. ..... सिलाई करता है।

५. ..... में ग्यारह खिलाड़ी होते हैं।

(उ) चित्र देखिए। कौन क्या कर रहा है? लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

SCERT TELANGANA

(ऊ) नीचे दिये गये रंगों के नाम **पढ़िए**। उन रंगों की वस्तुओं के नाम **लिखिए**।

१. लाल - ....

२. पीला - ....

३. नीला - ....

४. हरा - ....

५. बैंगनी - ....

६. आसमानी- ....

७. नारंगी - ....

८. सफ़ेद - ....

९. काला - ....

१०. गुलाबी - ....

(ए) नीचे दी गयी वर्ग पहेली में 'र' मात्रा से बने शब्द छिपे हैं। उन्हें **ढूँढ़िए और लिखिए**।

कु		ट्र	च	क्र
र्सी		क	र्म	ति
प्र	का	श	सू	
श्न	र्य		र्य	ड्रा
गृ	ह			मा

SCERT TELANGANA

१. ट्रक २. ..... ३. .....

४. ..... ५. ..... ६. .....

७. ..... ८. ..... ९. .....

१०. .....

(ऐ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. धूप कैसी है?

ज. .....

२. इंद्रधनुष में कितने रंग हैं?

ज. .....

३. किसे देखकर सारा घर खुश है?

ज. .....

(ओ) इंद्रधनुष का चित्र बनाइए। रंग भरिए। इंद्रधनुष के बारे में तीन वाक्य लिखिए।

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

14. बिल्ली का हार

बिल्ली गयी **बाज़ार**। उसने खरीदा एक सुंदर हार, सौ मोतियों वाला।

रास्ते में उसे मिला एक बंदर। बंदर ने देखा हार। अचानक बिल्ली का हार टूट गया। सारे मोती बिखर गये।

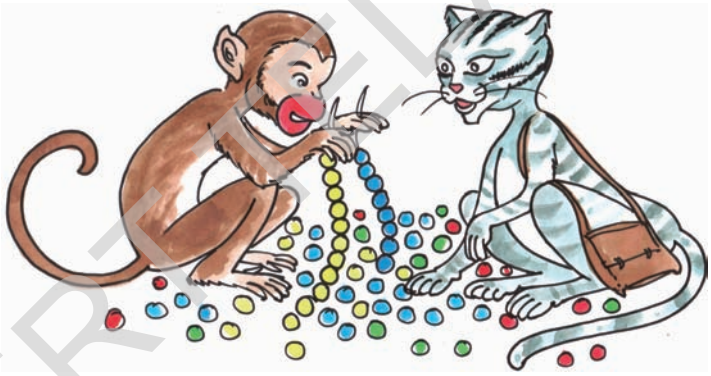

दोनों ने बिखरे मोतियों को इकट्ठा किया, एक-एक रंग के दस मोतियों की बनायी एक माला। उन मालाओं को जोड़ा, फिर बनाया एक हार।

बंदर बोला- अरे! यह तो पहले जैसा नहीं है। बिल्ली बोली- यह तो और भी अच्छा लग रहा है। दोनों हँसते-गाते चल दिये।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) बिल्ली कहाँ गयी?

(आ) बिल्ली ने कितने मोतियों वाला हार खरीदा?

(इ) रास्ते में बिल्ली को कौन मिला?

(ई) दोनों ने बिखरे मोतियों का क्या किया?

(उ) कविता की पंक्तियाँ पूरी **करिए।**

बिल्ली गयी .....

उसने खरीदा .....

अचानक ..... हार

फिर ..... हार।

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। पाठ में आये शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

सौ	बिल्ली	खिल्ली	हार	बंदर
चंदर	सुंदर	मोती	इकट्ठा	अच्छा
कच्चा	बच्चा	लट्टू	सच्चा	गट्ठा

(आ) नीचे दिये गये चित्र देखिए। गिनकर लिखिए।

उदा : ★ एक

★★ .....

★★★ .....

★★★★ .....

★★★★★ .....

SCERT TELANGANA

★★★★★★ .....

★★★★★★★ .....

★★★★★★★★ .....

★★★★★★★★★ .....

★★★★★★★★★★ .....

(इ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए।

१० - दस	६० - साठ
२० - बीस	७० - सत्तर
३० - तीस	८० - अस्सी
४० - चालीस	९० - नब्बे
५० - पचास	१०० - सौ

(ई) अक्षर मिलाकर पढ़िए।

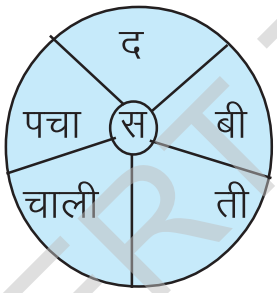

(उ) नीचे दिये गये शब्दों से खाली जगह भरिए।

पाँच सौ दस चार

१. एक हाथ में ..... उंगलियाँ होती हैं।

२. बिल्ली ने ..... मोतियों वाला हार खरीदा।

३. चौराहे पर ..... रास्ते मिलते हैं।

४. एक रंग वाले ..... मोतियों की एक माला बनायी।

SCERT TELANGANA

(ऊ) महीनों के नाम **पढ़िए।**

१. चैत्र	२. वैशाख	३. ज्येष्ठ	४. आषाढ़
५. श्रावण	६. भाद्रपद	७. आश्विन	८. कार्तिक
९. मार्गशीर्ष	१०. पौष	११. माघ	१२. फाल्गुन
		कुल महीने हैं	

लिखो :

(अ) अक्षरों में **लिखिए।**

१. ११ - ..... २. ९ - .....

३. २० - ..... ४. ७ - .....

५. १५ - .....

(आ) जोड़ियाँ **मिलाइए। क्रम से लिखिए।**

१६	सत्रह	.....
२०	उन्नीस	.....
१९	अठारह	.....
१८	सोलह	.....
१७	बीस	.....

(इ) खाली स्थान **भरिए।**

१. तिरंगे झंडे में ..... रंग होते हैं।

२. एक सप्ताह में ..... दिन होते हैं।

३. आँखें ..... होती हैं।

४. घोड़े के ..... पैर होते हैं।

५. एक हाथ में ..... उंगलियाँ होती हैं।

SCERT TELANGANA

(ई) अंकों में लिखिए।

१. बारह - ..... २. ग्यारह - ..... ३. तेरह - .....

४. पंद्रह - ..... ५. चौदह - ..... ६. तीस - .....

७. सत्तर - ..... ८. नब्बे - ..... ९. सौ - .....

१०. अस्सी - .....

(उ) नीचे दिये गये चित्रों के नाम लिखिए। नाम से वाक्य बनाकर लिखिए।

....

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

(ऊ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. बिल्ली ने बाज़ार से क्या खरीदा?

ज. .....

२. रास्ते में बिल्ली से कौन मिला?

ज. .....

SCERT TELANGANA

३. नया बनाया हुआ हार कैसा था?

ज. .....

(ए) खाली स्थान भरिए।

१. एक वर्ष में ..... महीने।

२. एक महीने में ..... सप्ताह।

३. एक सप्ताह में ..... दिन।

४. एक महीने में ..... दिन।

५. एक वर्ष में ..... दिन।

६. एक दिन में ..... घंटे।

(ऐ) नीचे दिया गया चित्र **देखिए**। उसके बारे में **लिखिए**।

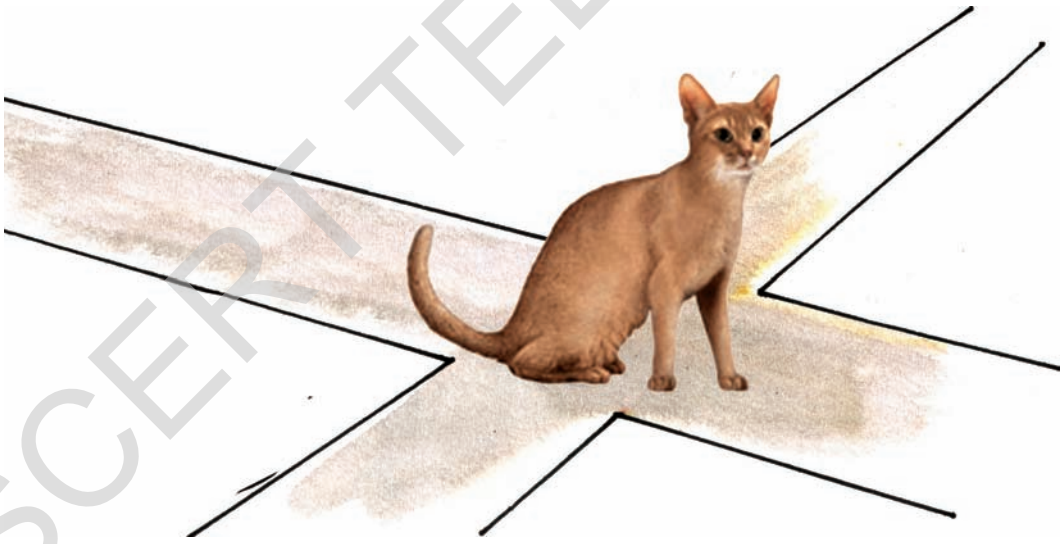

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

पढ़ो-आनंद लो

मेहनत का फल

एक किसान था। उस किसान के पास बीस एकड़ **ज़मीन** थी। वह खेत में बहुत काम करता था। फसलें खूब उगाता था। इज़्ज़त से जीता था। उस किसान के पाँच बेटे थे। वे कुछ भी काम नहीं करते थे।

कुछ समय के बाद किसान बूढ़ा हो गया। किसी भी तरह बेटों से खेत का काम कराना चाहा। किसान ने कहा- मैं बहुत दिनों तक नहीं जीऊँगा। तुम्हारे लिए खेत में सोना छिपाकर रखा है। मेरे मरने के बाद ले लो। इज़्ज़त से जियो।

किसान के बेटे बहुत खुश हो गये। किसान के मर जाने के बाद खेत जाकर सारा खेत फावड़े से खोद डाला। कितना खोदने से भी उन्हें सोना नहीं मिला। उन्हें नहीं सूझ रहा था कि क्या किया जाय। कैसे भी खोदा है, इसलिए उसमें फसल डाली। खूब फसल उगी। तब जान लिया कि पिताजी के द्वारा बताया गया सोना फसल ही है।

उस दिन से खूब काम करके इज़्ज़त से जीने लगे।

SCERT TELANGANA

15. बहादुर बच्चे रोते नहीं

छुट्टी का दिन था। बच्चे आम खाना चाहते थे। दद्दा ने उन्हें जग्गा के घर भेजा। जग्गा बहुत सज्जन आदमी था। वह बगीचे में रहता था। उसकी पत्नी का नाम रामुलम्मा था। वे दोनों बच्चों से बहुत प्यार करते थे।

जग्गा ने बच्चों को देखा। वह बहुत प्रसन्न हुआ। वह आम के पेड़ पर चढ़ गया। डाली जोर से हिलायी। टप-टप आम गिर पड़े। बच्चे खुशी से चिल्ला उठे - ''वाह! वाह!'' लेकिन आम के साथ पत्ते भी गिरे थे। सबने पत्ते हटाने में जग्गा की सहायता की।

अपने छप्पर वाले घर से रामुलम्मा निकली। उसके हाथ में रस्सी थी। जग्गा ने रस्सी पेड़ की डाली से बाँध दी। सब झूला झूलने लगे।

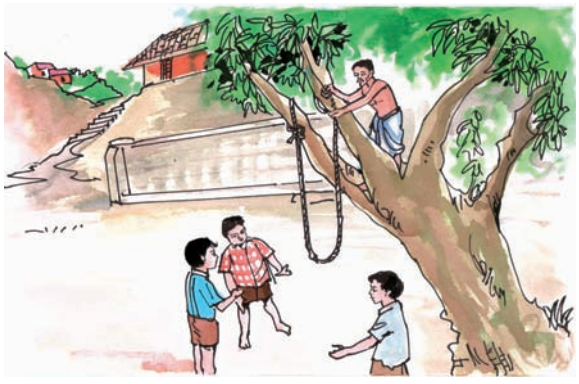

SCERT TELANGANA

थोड़ी देर बाद गेंद-बल्ले का खेल शुरू हुआ। यादय्या ने गेंद फेंकी। अप्पू ने बल्ला घुमाया। गेंद उसे ही जा लगी। वह चक्कर खाकर गिर पड़ा। अब्बास और बब्बन उसकी ओर दौड़े। अप्पू चिल्ला-चिल्ला कर रो रहा था - ''हूँ.... हूँ....''

जग्गा ने अप्पू को समझाते हुए कहा- ''खेल में तो चोट लगती ही रहती है। बहादुर बच्चे रोते नहीं।''

सुनो-बोलो

(अ) संवादों को **बोलिए** और अभिनय **कीजिए**।

(आ) पहले चित्र में क्या है?

(इ) दूसरे चित्र में क्या है?

(ई) तीसरे चित्र में क्या दिखाया गया है?

(उ) चौथे चित्र के बारे में **बताइए**।

(ऊ) अंतिम चित्र में क्या है?

(ए) बच्चे क्या खाना चाहते थे?

(ऐ) दद्दा ने बच्चों को कहाँ भेजा?

(ओ) जग्गा की पत्नी का नाम क्या था?

(औ) बच्चों ने जग्गा के घर पर क्या-क्या किया?

SCERT TELANGANA

(क) चोट किसे लगी?

(ख) जग्गा ने अप्पू से क्या कहा?

(ग) जग्गा के समझाने के बाद अप्पू ने क्या किया होगा?

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये द्वित्वाक्षरों को पाठ में पहचानकर उनपर '◯' लगाइए।

क्क	ग्ग	च्च	ज्ज	ट्ट	ड्ड	त्त	द्द
न्न	प्प	ब्ब	म्म	य्य	ल्ल	स्स	

(आ) पाठ में आये द्वित्वाक्षर वाले शब्द तालिका में उनके सामने लिखिए।

जैसे - क्क - चक्कर

च्च	
ज्ज	
ट्ट	
ड्ड	
त्त/त्त	
द्द	
न्न	
ब्ब	
प्प	
म्म	
य्य	
ल्ल	
स्स	

SCERT TELANGANA

(इ) नीचे दिये गये शब्द ध्यान से पढ़िए।

नुक्कड़	चम्मच	छज्जा	कच्चा	हवाई अड्डा
चौकन्ना	छप्पर	जग्गय्या	मुहल्ला	लस्सी
लट्टू	बत्ती	छक्का	मग्गा	कव्वाली

(ई) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़िए। इसके आधार पर एक कहानी बनाइए और सुनाइए।

अक्का, नक्का, धूम, धड़क्का

खेल रहे थे चौका-छक्का

बल्ला पकड़े थे राजन्ना

सभी खिलाड़ी थे चौकन्ना .....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये अक्षर मिलाकर शब्द बनाइए। लिखिए।

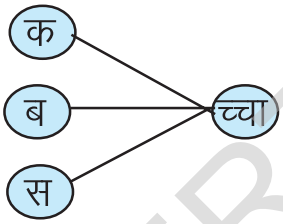

१. .....

२. .....

३. .....

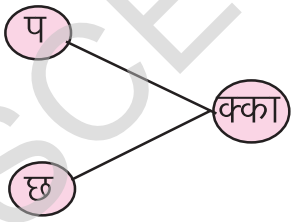

१. .....

२. .....

३. .....

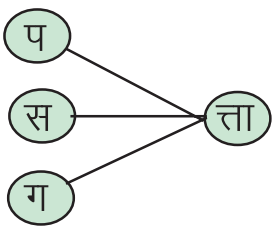

१. .....

२. .....

३. .....

SCERT TELANGANA

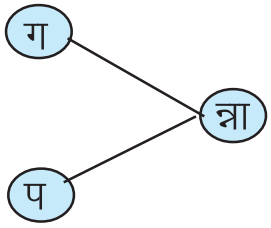

१. .....

२. .....

३. .....

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। चित्र के नीचे उसका नाम इन शब्दों में से चुनकर वाक्य पूरा लिखिए।

बल्ला, गन्ना, पत्ता, चक्का, चम्मच, मोमबत्ती, लट्टू

१. रमेश के हाथ में है।

.....

२. यह सचिन का 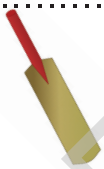 है।

.....

३. यह आम का है।

.....

४. यह ट्रक का है।

.....

५. मेज़ पर जल रही है।

.....

SCERT TELANGANA

६. रवि से खेल रहा है।

.....

७. कटोरी में है।

.....

(इ) प्रश्नों के उत्तर **लिखिए**।

१. बच्चे जग्गा **के** घर क्यों गये?

ज. .....

२. बच्चों ने जग्गा के घर पर क्या किया?

ज. .....

३. बहादुर बच्चों में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

ज. .....

.....

.....

SCERT TELANGANA

16. राष्ट्र-धर्म

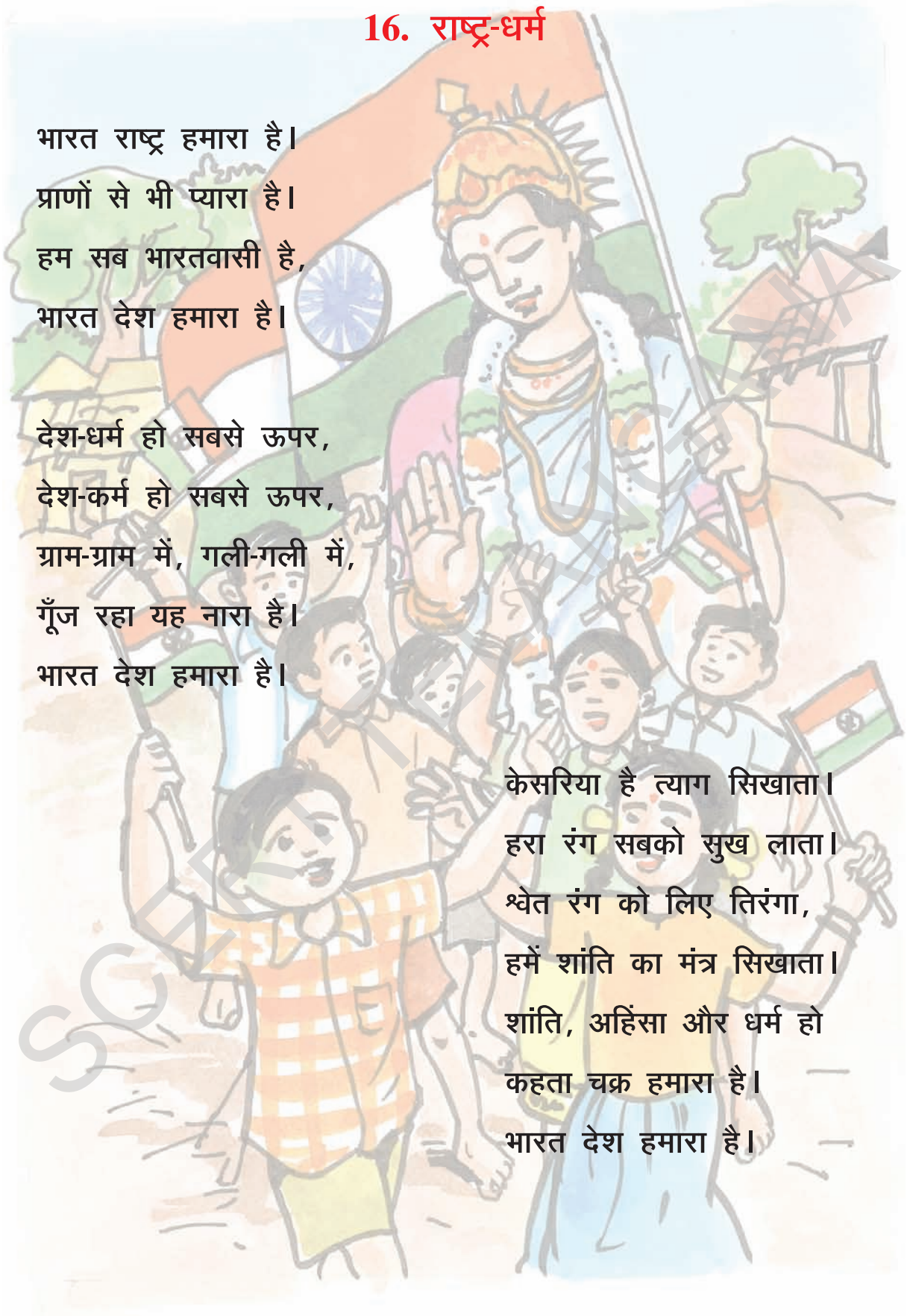

भारत राष्ट्र हमारा है।
प्राणों से भी प्यारा है।
हम सब भारतवासी है,
भारत देश हमारा है।

देश-धर्म हो सबसे ऊपर,
देश-कर्म हो सबसे ऊपर,
ग्राम-ग्राम में, गली-गली में,
गूँज रहा यह नारा है।
भारत देश हमारा है।

केसरिया है त्याग सिखाता।
हरा रंग सबको सुख लाता।
श्वेत रंग को लिए तिरंगा,
हमें शांति का मंत्र सिखाता।
शांति, अहिंसा और धर्म हो
कहता चक्र हमारा है।
भारत देश हमारा है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) गीत गाइए । सुनिए । सुनाइए ।

(आ) हमारे देश का नाम क्या है?

(इ) हमें प्राणों से भी अधिक प्यारा क्या है?

(ई) ग्राम-ग्राम में कौन-सा नारा गूँज रहा है?

(उ) भारत के झंडे में कितने रंग हैं?

(ऊ) तिरंगे झंडे के बारे में **बताइए**।

(ए) अशोक का धर्म चक्र हमें क्या कहता है?

(ऐ) **आप** देश के लिए क्या करना चाहते है?

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये अक्षर पढ़िए। इन अक्षरों में कौन-कौन से अक्षर कविता में आये हैं? पढ़कर ' ◯ ' लगाइए।

क्र ट्र प्र र्म ग्र त्र

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों को गीत में पहचानिए। रेखा खींचिए।

१. देश-धर्म हो सबसे ऊपर।

२. हमें शांति का मंत्र सिखाता।

३. प्राणों से भी प्यारा है।

४. भारत राष्ट्र हमारा है।

५. ग्राम-ग्राम में, गली-गली में,

SCERT TELANGANA

(इ) समझिए और पढ़िए ।

१. सू + र् + य = सूर्य

२. ट् + र + क = ट्रक

३. प + त् + र = पत्र

४. रा + ष् + ट् + र = राष्ट्र

५. ध + र् + म = धर्म

६. न + म् + र = नम्र

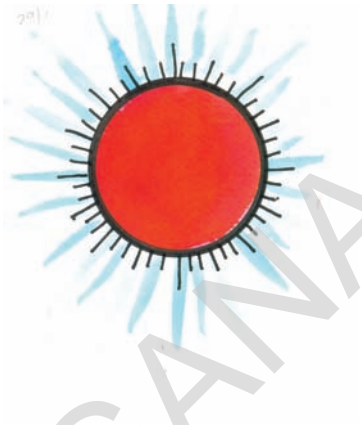

(ई) पढ़िए। सही पर '✓' लगाइए।

१. राष्ट्रगान - जन-गण-मन / वंदे मातरम्

२. राष्ट्रीय पक्षी - हंस / मोर

३. राष्ट्रीय पशु - बाघ / शेर

४. राष्ट्रीय फूल - कमल / गुलाब

(उ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। रेखा खींचे गये अक्षरों का अंतर समझकर पढ़िए।

चक्र - चर्म

नम्र - धर्म

उग्र - वर्ग

प्रतीक - सर्प

राष्ट्र - कर्ण

एकत्र - वर्तनी

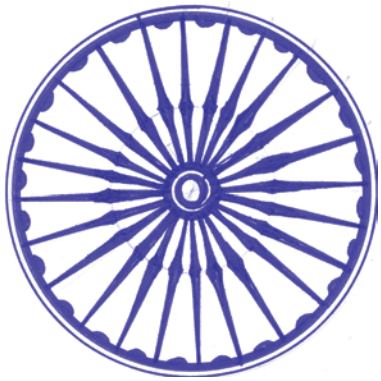

SCERT TELANGANA

(ऊ) नीचे दिये गये चित्रों के नाम इन शब्दों में से चुनकर लिखिए।

सर्प चक्र कुर्सी मुर्गी ट्रक सूर्य

चक्र

.....

.....

.....

.....

.....

(ए) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। चित्र के बदले नाम लिखिए। वाक्य पुनः लिखिए।

१. घर के ऊपर है।

घर के ऊपर मुर्गा है।

२. गुरु जी पर बैठे हैं।

.....

३. ट्रक चला रहा है।

.....

४. यह अशोक का धर्म है।

.....

SCERT TELANGANA

५. पूरब में उगता है।

.....

(ऐ) नीचे दिये गये अक्षरों को मिलाकर पढ़िए। शब्द बनाकर लिखिए।

मि
चि → त्र
प

१. .....
२. .....
३. .....

क
ध → र्म
च

१. .....
२. .....
३. .....

(ओ) तिरंगे झंडे के बारे में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

17. पुल

पुल : दीदी, तुम कैसी हो?

नदी : मैं ठीक हूँ। तुम कैसे हो?

पुल : मैं भी ठीक हूँ। दीदी मैं तुमसे एक बात बताना चाहता हूँ?

नदी : हाँ-हाँ, बताओ ना।

पुल : दीदी, जब तुम्हारा पानी मेरे नीचे से गुजरता है, तो बड़ा सुंदर लगता है। तुम्हारी कल-कल करती आवाज मुझे अच्छी लगती है।

नदी : धन्यवाद। मगर तुम भी किसी से कम नहीं हो।

पुल : वह कैसे दीदी?

नदी : तुम तालाब, झरने, नदी, पहाड़ों और कठिन रास्तों को पार करने में सबकी मदद करते हो।

पुल : दीदी, यह तो मेरा काम है। लोगों की मदद करने में मुझे सुख मिलता है।

नदी : वाह भाई! तुमने कितनी अच्छी बात कही। मुझे तुम पर गर्व है।

पुल : धन्यवाद, दीदी।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) पाठ में किनके बीच बातचीत हो रही है?

(आ) नदी कैसी आवाज करती है?

(इ) पुल सबकी मदद कैसे करता है?

(ई) पुल को सुख कैसे मिलता है?

(उ) नदी को किस पर गर्व है?

(ऊ) **आपने** किसी नदी को पुल से पार किया है? यदि हाँ, तो किस नदी पर?

(ए) इस पुल और नदी के संवाद को एक दोस्त के साथ आगे **बढ़ाइए।**

पुल - बरसात के दिनों में तुम कितनी सुंदर दिखती हो?

नदी - हाँ, हाँ, कभी-कभी तो तुम्हें भी छू जाती हूँ।

पुल - .....

नदी - .....

पुल - .....

नदी - .....

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दी गयी वर्णमाला देखिए। अक्षर पढ़िए।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	
ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	ख	ग	ग	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	(ड़ ढ़)	
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह	क्ष त्र	ज्ञ श्र	

SCERT TELANGANA

वर्णमाला के कौन-कौन से अक्षर पाठ में आये हैं? देखकर '◯' **लगाइए।**

शब्द पढ़िए।

(आ) नीचे दिये गये शब्द पाठ में पहचानिए। रेखा खींचिए।

दूध	दीदी	झरना	नल	नदी
कल-कल	तालाब	पानी	भाई	सुंदर
काम	सूरज	गर्व	फूल	पहाड़

(इ) पाठ में पानी के बारे में बताने वाले शब्द आये हैं। उनके नीचे रेखा खींचिए। उदा : तालाब

(ई) नीचे दिये गये शब्द बोलिए। अब मिलते-जुलते शब्द सही खानों में लिखिए।

पुल	पानी	कल-कल	काम	बात
पात	गुम	झल-झल	नानी	सात
दानी	रानी	दाम	रात	नाम
कुल	पल-पल	आम	मल-मल	

उदा-

कल-कल	बात	काम	पानी	पुल
मल-मल				

SCERT TELANGANA

(उ) **नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। रेखा खींचिए गये अक्षरों में अंतर समझकर पढ़िए।**

सात - साथ चम-चम - छम-छम

काल - खाल पल - फल

(ऊ) **पढ़िए। समझिए। फिर लिखिए।**

हमारे अपने :

पिताजी	-	माताजी	.....	.....
दादाजी	-	दादीजी	.....	.....
नानाजी	-	नानीजी	.....	.....
काकाजी	-	काकीजी	.....	.....
चाचाजी	-	चाचीजी	.....	.....
फूफाजी	-	बूआजी	.....	.....
मौसाजी	-	मौसीजी	.....	.....
मामाजी	-	मामीजी	.....	.....
जीजाजी	-	दीदी	.....	.....

(ए) **नीचे दिये गये चित्रों के नाम लिखिए। उन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बोलिए।**

....

SCERT TELANGANA

(ऐ) **चलिए**! शब्दों की अंत्याक्षरी खेलें -

बात - तन - नगद - दर - ..... - ..... - ..... - .....

(ओ) **नीचे दिये गये अक्षरों को सही करके लिखिए।**

ताबला - तालाब

नारझ - .....

पड़हा - .....

रदसुं - .....

जवाआ - .....

(औ) **चित्र के नाम लिखिए।**

- .....

- .....

- .....

- .....

- .....

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) वर्णमाला के अक्षर पाठ में पहचानकर नीचे डिब्बे में लिखिए। उनसे शब्द बनाइए । लिखिए।

दो अक्षर वाले	तीन अक्षर वाले	चार अक्षर वाले
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

(आ) नीचे दिये वाक्य पढ़िए। चित्र के बदले नाम लिखिए।

१. मुझे पसंद है।

मुझे ..... पसंद है।

२. का पानी कल-कल करता है।

..... का पानी कल-कल करता है।

३. आकाश में दिखायी देता है।

आकाश में ..... दिखायी देता है।

४. मैं से लिखती हूँ।

मैं ..... से लिखती हूँ।

SCERT TELANGANA

(इ) 'कसरत करो।' वाक्य में दिये गये अक्षरों से नये शब्द बनाकर **लिखिए।**

....

....

(ई) नीचे दिये गये अक्षरों से शब्द बनाकर **लिखिए।**

ल त ह ड द

....

....

(उ) चित्र **बनाइए।** रंग **भरिए।** नाम **लिखिए।** चित्र से संबंधित पाँच वाक्य **लिखिए।**

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

SCERT TELANGANA

जैसे को तैसा

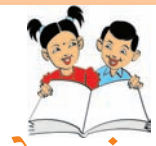

पढ़ो-आनंद लो

गोपाल बहुत भोला-भाला था। एक बार वह शहर गया। दुकान में जलेबी, लड्डू, पकौड़ी आदि देखे। मुँह में पानी भर आया। उन्हें देखने लगा। दुकानदार को गुस्सा आया। वह चिल्लाया - 'हमारे पकवानों की सुगंध लेते हो पैसे भरो।'

राजु ने देखा, उसने पूछा- 'क्या **झगड़ा** है?' बोला- 'गोपाल का बकाया मैं चुका दूँगा।' राजु ने दुकानदार के कानों के पास पैसों की थैली खन-खन बजायी। खन-खन की **आवाज़** सुनी न। जाओ, तुम्हारा बकाया चुक गया।

दुकानदार ने शर्म से सिर झुकाया।

SCERT TELANGANA

18. मैं कौन हूँ

मैं आसमान में छाये बादलों में रहता हूँ। बरसकर धरती पर चला आता हूँ, तुम **कागज़** की नाव बनाकर मुझमें ही तैराते हो।

बताओ, मैं कौन हूँ?

मैं नल में आता हूँ। कुँओं से निकाला जाता हूँ।

बताओ मैं कौन हूँ?

SCERT TELANGANA

तुम मुझसे ही हाथ-मुँह धोते हो, नहाते हो। कपड़े धोते हो। प्यास लगने पर मुझे ही पीते हो। मुझसे ही तुम खाना बनाते हो।

बताओ, मैं कौन हूँ?

सभी पशु-पक्षी मुझे पीते हैं। किसान मुझसे ही **पेड़-पौधों** और **फ़सलों** को सींचते हैं। मछलियाँ मुझमें ही रहती हैं।

बताओ, मैं कौन हूँ?

अगर मैं साफ़ रहूँ तो तुम स्वस्थ रहते हो। कोई मुझे गंदा कर देगा तो तुम बीमार हो जाओगे। मुझे साफ़ रखना। मेरी जरूरत सभी को है। इसीलिए मुझे कभी बरबाद न करना। तभी तुम स्वस्थ और प्रसन्न रहोगे।

अब तो तुम जान गये कि मैं कौन हूँ? जरा मेरा नाम बताओ?

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

(अ) बच्चे किसकी नाव बनाते हैं?

(आ) घर में पानी का उपयोग किन कामों के लिए किया जाता है?

(इ) पशु-पक्षी पानी का उपयोग क्यों करते हैं?

(ई) किसान के लिए पानी किस काम आता है?

(उ) अगर पीने का पानी गंदा हो तो क्या होगा?

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे दिये गये शब्द पढ़िए।

पाठ में आये शब्द पहचानकर '◯' लगाइए।

आसमान	कुँआ	हाथ-मुँह	प्यास	पशु-पक्षी
धरती	स्वस्थ	गंदा	बीमार	प्रसन्न

(आ) नीचे दिये गये शब्दों में अंतर समझकर पढ़िए।

सोत - स्रोत

बाध - बाँध

पयास - प्यास

सवसथ - स्वस्थ

प्रसनन - प्रसन्न

SCERT TELANGANA

(इ) अक्षर मिलाकर **पढ़िए।**

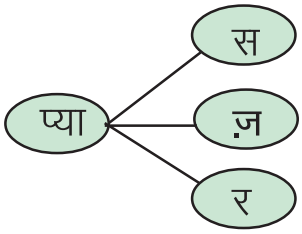

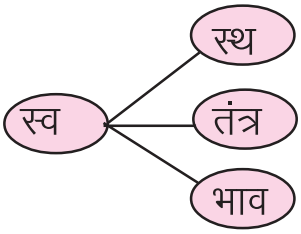

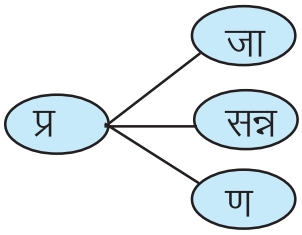

(ई) जल्दी-जल्दी **पढ़िए।**

प्रसन्न	स्वस्थ	प्यास	प्यार
प्रण	स्वतंत्र	स्वाध्याय	

(उ) नीचे दिये गये शब्दों से खाली जगह **भरिए।**

स्वस्थ स्वतंत्र प्यास प्रसन्न

१. स्वच्छ रहने से हम ..... रहते हैं।

२. भारत पंद्रह अगस्त १९४७ को ..... हुआ।

३. हमें सदा ..... रहना चाहिए।

४. कौए को ..... लगी। उसने पानी पिया।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

(ऊ) **नीचे दिये गये शब्द पढ़िए। वाक्य सही क्रम में लिखिए।**

१. रहता हूँ में बादल। .....

२. जाता हूँ निकाला कुँओं से। .....

३. पीते हो मुझे लगने पर प्यास। .....

४. पशु-पक्षी पीते सभी मुझे हैं। .....

५. कभी न बरबाद मुझे करना। .....

लिखो

(अ) **मात्रा लगाकर लिखिए।**

	ा	ि	ु	ू	ृ	े	ो	ौ
न्न								
द्द								
ग्ग								

(आ) **नीचे दिये गये चित्रों के नाम लिखकर उन शब्दों से वाक्य बनाइए।**

....

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

SCERT TELANGANA

(इ) नीचे दिये गये वाक्य पाठ के आधार पर क्रम में लिखिए।

१. मुझे कभी बरबाद न करना।

२. तभी तुम स्वस्थ और प्रसन्न रहोगे।

३. तुम मुझसे ही हाथ-मुँह धोते हो, नहाते हो, कपड़े धोते हो।

४. मैं आसमान में छाये बादलों में रहता हूँ।

५. किसान मुझसे ही पेड़-पौधे और फसलों को सींचते हैं।

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

(ई) 'पानी' से संबंधित शब्द लिखिए।

उदा -

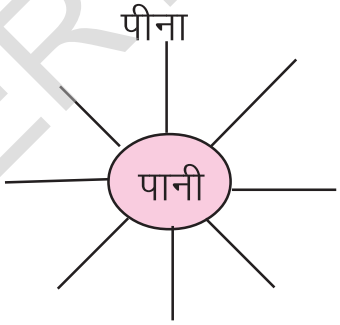

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

६. .....

७. .....

SCERT TELANGANA

19. चूज़ा

1

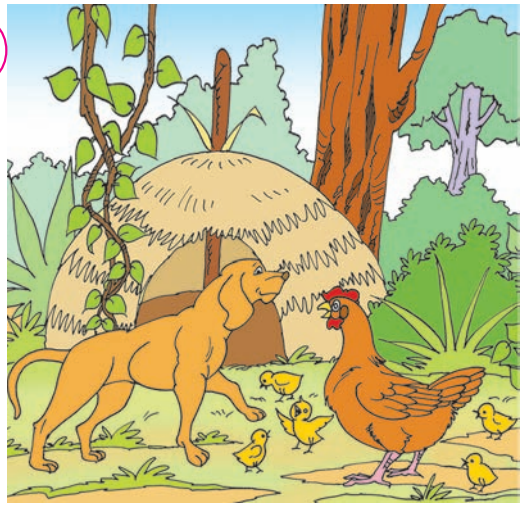

2

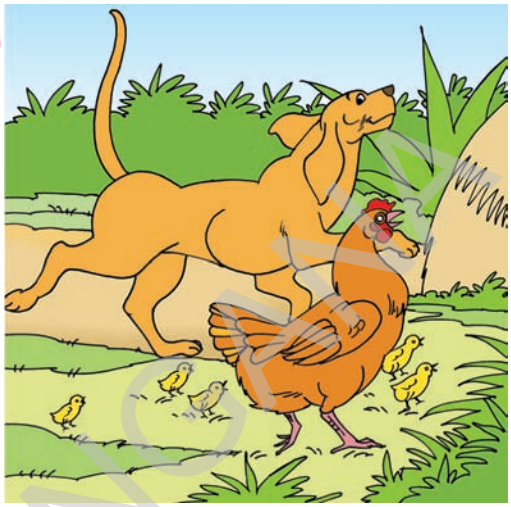

3

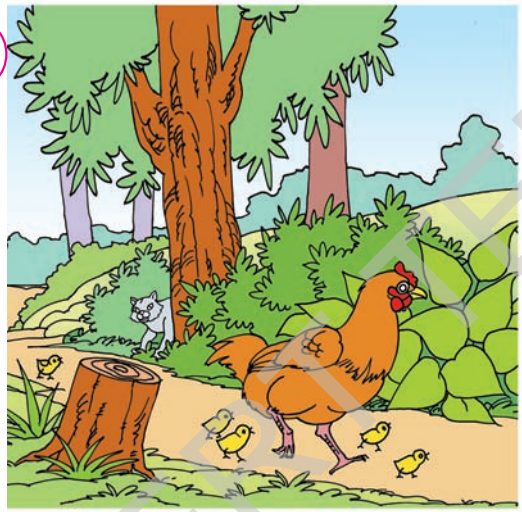

4

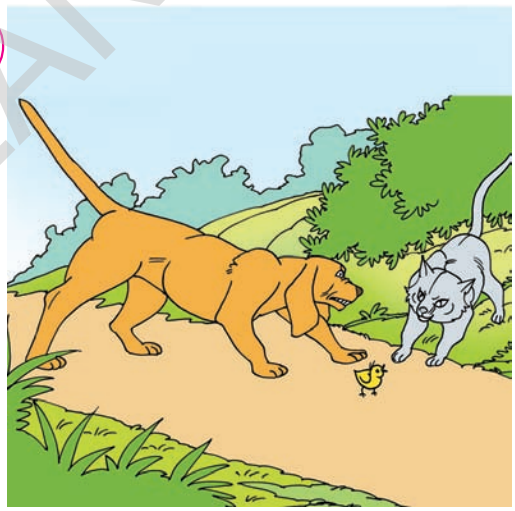

5

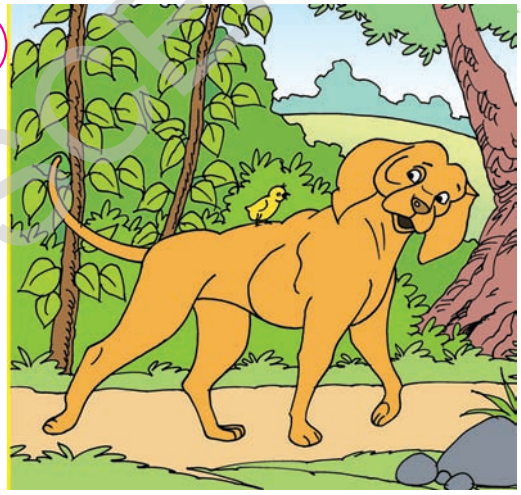

6

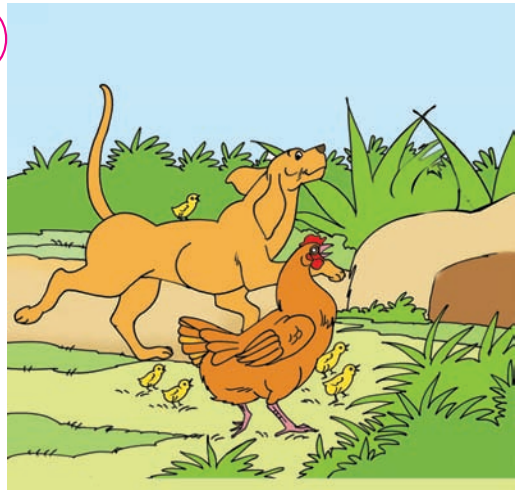

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

सुनो-बोलो

(अ) पाठ के चित्र देखकर कहानी **बोलिए।**

(आ) गलती करने वाला चूज़ा क्यों डर गया?

(इ) कुत्ते ने चूज़े को बचाने के लिए क्यों सोचा?

(ई) कहानी में कौन अच्छा है? क्यों? **बोलिए।**

पढ़ो-लिखो

(अ) पढ़िए। अपने शब्दों में बोलिए।

शाम के समय पाठशाला **की छुट्टी हुई।** शिव घर जाने के लिए निकला। रास्ते में एक कुत्ते का बच्चा कराहते हुए दिखायी दिया। उसके पैर में चोट लगी थी। शिव कुत्ते के बच्चे को उठाकर घर ले गया। उसकी चोट पर दवा लगायी। पट्टी बाँधी। खाना खिलाया। दूध पिलाया। दो दिन में कुत्ते के बच्चे की चोट ठीक हो गयी। शिव बहुत खुश हुआ। शिव रोज़ कुत्ते के साथ खेलता था। शिव को वह बहुत **पसंद** था। उसे शिव बहुत **पसंद** था।

(आ) चित्रों को मिलाकर निम्न अनुच्छेद पढ़िए। उत्तर बोलिए।

एक दिन एक ने एक को पकड़ लिया। के मुँह से फ़िसल गयी। कहाँ है? ने से पूछा। उसने कहा - मुझे नहीं पता से पूछो। ने कहा मुझे नहीं पता से पूछो। ने कहा मुझे नहीं पता से पूछो। हाथी से पूछने पर उसने कहा--तुम्हारे पेट में होगी देख लो जाओ!

SCERT TELANGANA

१. बगुले ने क्या खो दिया?

२. बगुले ने पहले किससे पूछा?

३. चूहे ने किससे पूछने के लिए कहा?

४. हाथी ने क्या कहा?

५. पानी में रहने वाले जानवरों के नाम लिखिए।

(इ) निम्न वाक्य पढ़िए। क्रम में लिखिए।

कौए ने अंडा रखा। .....

कौए ने काड़ियाँ जमा की। .....

अंडों को सेया। .....

घोंसला बनाया। .....

बच्चे निकले। .....

उड़ गया। .....

बच्चों के पंख निकल आये। .....

(ई) निम्न चित्रों, वाक्यों को मिलाकर पढ़िए। लिखिए।

जलाने से में उजाला होता है।

न रहेगा न बजेगी ।

का ।

का जवाब से ।

तले दबाना ।

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) निम्न चित्र देखिए । चित्र में क्या-क्या हैं? लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(आ) उपर्युक्त शब्दों से वाक्य लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(इ) पढ़िए। नाम लिखिए। बगुला कैसे बचा? सोचिए। बताइए।

कहानी का नाम :

एक जंगल में एक लोमड़ी रहती थी। उसे बगुले का माँस खाने की इच्छा हुई। एक दिन रास्ते में बगुला दिखायी दिया। बगुला जी मेरे घर आइए। मैं आपको मछली का पकवान परोसूँगी - बगुले ने लोमड़ी की बातों पर विश्वास कर लिया। लोमड़ी के

SCERT TELANGANA

घर गया। लोमड़ी बगुले पर खाने के लिए झपट पड़ी। बगुला किसी तरह **जान** बचाकर भाग गया।

बगुला किस तरह बच गया?

.....

.....

.....

.....

.....

(ई) चित्र में कुत्ता, मुर्गी क्या बात कर रहें हैं, लिखिए।

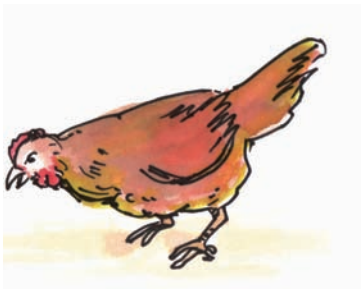

कुत्ता :

मुर्गी :

कुत्ता :

मुर्गी :

SCERT TELANGANA

20. असली मोती

१. चाहे गीता बाँचिए, चाहे पढ़ो कुरान।
मेरा तेरा प्यार ही, हर पुस्तक का ज्ञान।

■ तुम गीता पढ़ो या कुरान पढ़ो। हर किताब हमें मिलजुलकर रहना ही सिखाती है।

२. वृच्छ कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारने, साधुन धरा सरीर।।

■ पेड़ अपने फल कभी नहीं खाते। नदी भी अपने लिए पानी इकट्ठा नहीं करती। उसी प्रकार सज्जन भी दूसरों की भलाई के लिए जीवन जीते हैं।

३. साई इतना दीजिए, जामें कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।।

■ हे भगवान! आप हमें इतनी ही संपत्ति दीजिए, जिससे सारे परिवार का गुज़ारा हो सके। मैं भी भूखा ना रहूँ और घर पर आने वाले मेहमान को भी खिला सकूँ।

४. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।।

■ हमें हमेशा मीठी बोली बोलनी चाहिए। अपना अहंकार छोड़कर बातें करनी चाहिए। ऐसी बोली दूसरों को खुशी देती है और हमें भी खुश रखती है।

SCERT TELANGANA

सुवचन

१. जो औरों पर दया नहीं करता,
उसपर संकट में लोग दया नहीं करते।

■ हमें सबपर दया करनी चाहिए।

२. जो किसी को धोखा देता है,
वह स्वयं भी धोखा खा जाता है।

■ किसी को धोखा नहीं देना चाहिए।

सुनो-बोलो

(अ) पाठ के दोहे **सुनिए, सुनाइए ।**

(आ) दोहों के भावार्थ अपने शब्दों में **बताइए।**

(इ) इन दोहों के अलावा और कुछ दोहे अध्यापक से **सुनाइए।**

(ई) पाठ में दिये गये सुवचनों में **आपको** कौन-सा सुवचन अच्छा लगा?

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे बताये गये भाव के आधार पर दिये गये वाक्य किस दोहे में हैं? पहचानिए।

१. हर किताब हमें मिलजुलकर रहना सिखाती है।

.....

२. घर पर आनेवाले मेहमान को भी खिला सकूँ।

.....

३. सज्जन दूसरों की भलाई के लिए जीवन जीते हैं।

.....

SCERT TELANGANA

४. हमेशा मीठी बातें करनी चाहिए।

.....

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों को उचित वाक्यों से जोड़कर पढ़िए।

१. किसी को धोखा	दया करनी चाहिए।
२. हर किताब हमें	साधु जीवन जीते हैं।
३. दूसरों की भलाई के लिए	नहीं देना चाहिए।
४. हमें सबपर	मिलजुल कर रहना सिखाती है।

(इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

वृच्छ	मन	धोखा	पुस्तक	दया

१. मेरा तेरा प्यार ही हर ..... का ज्ञान।

२. सब पर ..... करनी चाहिए।

३. किसी को .....नहीं देना चाहिए।

४. ऐसी बानी बोलिए, ... का आपा खोय।

(ई) दोहा पूरा कीजिए।

१. ऐसी ..... होय।।

२. साई ..... जाय।।

(उ) नीचे दिये गये शब्द जिन पंक्तियों में आये हैं, उन्हें '◯' लगाइए।

दया, बानी, औरन, ज्ञान, नीर, स्वयं, सरीर, धोखा, कुटुम, आपा।

SCERT TELANGANA

(ऊ) **नीचे दिये गये पंक्तियों के भाव लिखिए।**

१. मेरा तेरा प्यार ही हर पुस्तक का ज्ञान।

.....

.....

२. औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।

.....

.....

३. साई इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।

.....

.....

४. वृच्छ कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर।

.....

.....

(ए) **किसी फलदार पेड़ के बारे में लिखिए ।**

.....

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA